उत्तराखण्ड

भारतीय इतिहास एवं राष्ट्रीय आंदोलन

उत्तराखण्ड का इतिहास

GK & GS

सामान्य ज्ञान/अध्ययन

अध्यायवार सॉल्व्ड पेपर्स

प्रधान सम्पादक
Anand K. Mahajan
लेखन सहयोग
परीक्षा विशेषज्ञ समिति
कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, चरन सिंह, भूपेन्द्र मिश्रा
संपादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com
© All Rights Reserved with Publisher
प्रकाशन घोषणा
सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने लक्ष्मीनारायन प्रिंटिंग प्रेस, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन प्रा.लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।
इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव और सहयोग सादर अपेक्षित है।
किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

₹ 395/-

विषय-सूची

❑ इतिहास 8-112

● प्राचीन भारत का इतिहास 8-33
- प्रागैतिहासिक काल, सैन्धव सभ्यता 8
- वैदिक सभ्यता एवं उत्तर वैदिक काल 11
- महाकाव्य काल 13
- बौद्ध, जैन, भागवत एवं शैव धर्म 14
- सोलह महाजनपद 18
- मौर्य काल 19
- मौर्योत्तर काल 22
- संगम काल 24
- गुप्तकाल 25
- गुप्तोत्तर काल 27
- चोल, चालुक्य एवं पल्लव साम्राज्य, राजपूत शासक, 600-1200 के मध्य भारतीय सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास एवं अन्य पहलू 28
- साहित्य एवं साहित्यकार तथा स्थापत्य कला 29
- विविध 33

● मध्यकालीन इतिहास 34-55
- अरब एवं तुर्की आक्रमण, गुलाम वंश 34
- खिलजी वंश 35
- तुगलक वंश 36
- सैय्यद व लोदी वंश, समाज, कला साहित्य एवं स्थापत्य 38
- विविध (सल्तनतकालीन), बहमनी राजवंश/विजयनगर साम्राज्य 40
- 15वीं और 16वीं शताब्दियों के धार्मिक आंदोलन 42
- मुगल शासक एवं शेरशाह सूरी 44
- मुगल प्रशासक व नीतियाँ, संस्कृति, साहित्य एवं स्थापत्य 47
- विविध (मुगलकालीन) 52
- मराठा राज्य और संघ 53

● आधुनिक भारत का इतिहास 56-112
- मुगल साम्राज्य का पतन और स्वायत्त राज्यों का उदय, यूरोपीय वाणिज्यिक कंपनियों का भारत आगमन 56
- ईस्ट इंडिया कंपनी और क्षेत्रीय राज्य 57
- ब्रिटिश शासन का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव 58
- 1857 का विद्रोह 60
- अन्य जन आंदोलन (1757-1857 तक), भारत में शिक्षा का विकास 62
- भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास एवं पुस्तकें 63
- 19वीं शताब्दी में सामाजिक एवं सांस्कृतिक जागरण 68
- किसान विद्रोह एवं आंदोलन/मजदूर आन्दोलन 73
- कांग्रेस की पूर्ववर्ती संस्थाएँ, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा अन्य संस्थाएँ 74
- बंगाल विभाजन एवं स्वदेशी आंदोलन 79
- मुस्लिम लीग एवं होमरूल लीग आंदोलन 80
- क्रांतिकारी गतिविधियाँ/साम्यवादी आन्दोलन 82
- जलियांवाला बाग हत्याकांड, रौलेट एक्ट, खिलाफत एवं असहयोग आंदोलन तथा साइमन कमीशन 85
- सविनय अवज्ञा, गांधी-इरविन समझौता एवं गोलमेज सम्मेलन, पूना पैक्ट 89
- भारत छोड़ो आंदोलन तथा स्वतंत्रता एवं विभाजन 90
- सुभाषचन्द्र बोस एवं आइ.एन.ए. 93
- भारत के गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय 94
- संवैधानिक विकास 98
- रियासतों का एकीकरण 101
- विविध 102
- विश्व का इतिहास 111

❑ उत्तराखण्ड का इतिहास एवं संस्कृति 113-208
- प्रागैतिहासिक काल एवं ऐतिहासिक कला 113
- उत्तराखण्ड की प्राचीन जनजातियाँ 116
- कुणिन्द एवं यौधेय 119
- कार्तिकेयपुर राजवंश 120
- कत्यूरी राजवंश 123
- गढ़वाल का परमार राजवंश; कुमाऊँ का चंद राजवंश 126
- गोरखा आक्रमण एवं शासन 139
- ब्रिटिश शासन 142
- टिहरी रियासत 148
- उत्तराखण्ड में स्वतंत्रता संघर्ष-1857 एवं उत्तराखण्ड, भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में उत्तराखण्ड का योगदान 153
- उत्तराखण्ड के आन्दोलन कला एवं संस्कृति, त्यौहार एवं मेले, उत्सव 170
- संबंधित अन्य पहलू 191

UKPSC/UKSSSC के पूर्व परीक्षा के प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण चार्ट

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

क्र. सं.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा वर्ष	प्रश्नों की संख्या
1.	UK SSSC ADO 16-11-2025	100
2.	UK SSSC Police Canstebal 03-08-2025	100
3.	UK SSSC Van Daroga 22-06-2025	100
4.	UK SSSC Patvari & VDO 21-09-2025	100
5.	UK SSSC Havaldar 2024	100
6.	UK SSSC Assistant Accountant 2024	100
7.	UK SSSC Canning 2024	100
8.	UK SSSC Stenographer 08-12-2024	100
9.	Junior Assistant Exam_19_Jan_2025	100
10.	UKSSSC Stenographer Personal Assistant Official Paper (Held On_ 08 Dec, 2024)	100
11.	UKSSSC Scalar Exam 25/08/2024	100
12.	Village Development Officer 21-10-2012, 09-07-2023	200
13.	UKSSSC आबकारी 30 जून 2023	100
14.	UKSSSC EO GS 2023	100
15.	UKSSSC Forest Guard Officer 09/04/2023	100
16.	Forest Guard - 102, DOE-14-Feb-2021	100
17.	UKSSSC छात्रावास अधिकक्षक, ग्राम विकास अधिकारी एवं अन्य 04-12-2021 (Shift-I)	100
18.	UKSSSC Graduate Level Exam 05/12/2021 Shift-II	100
19.	UKSSSC Graduate Level Exam 05/12/2021 Shift-III	100
20.	UKSSSC Lecturer Teacher General 08/08/2021 Shift-I	100
21.	UKSSSC Lecturer Teacher General & Physical Education 08/08/2021 Shift-I	100
22.	UKSSSC Lecturer Teacher (Science) 08/08/2021 Shift-II	100
23.	UKSSSC Lecturer Teacher (Assistant Teacher) Urdu 08/08/2021 Shift-II	100
24.	UKSSSC Lecturer Teacher (Hindi) 08/08/2021 Shift-I	100
25.	UKSSSC Lecturer Teacher (Home Science) 08/08/2021 Shift-II	100
26.	UKSSSC Lecturer Teacher (Maths) 08/08/2021 Shift-II	100
27.	UKSSSC Lecturer Teacher (Kala) 08/08/2021 Shift-II	100
28.	UKSSSC वन आरक्षी 14/02/2021 Shift-I	100
29.	UKSSSC कनिष्क अभियंता (सिविल) Shift-II	100
30.	UKSSSC एस. आई. 21/02/2021 Shift-I	100
31.	UKSSSC एस. आई. 21/02/2021 Shift-II	100
32.	UKSSSC प्रवर्तन सिपाही/आबकारी सिपाही 10/01/2021	100
33.	UKSSSC AE (Electrical) Trainee 10/01/2021 Shift-I	100
34.	UKSSSC रक्षक (सचिवालय सुरक्षा) 26/09/2021 Shift-I	100
35.	UKSSSC Inter Collage G.S. Paper 2021	100
36.	UKSSSC DEO Junior Assistant Tax Collector Peshkar 31/10/2021 Shift-I	100
37.	UKSSSC DEO Junior Assistant Tax Collector Peshkar 31/10/2021 Shift-II	100
38.	Forest Guard Recruitment Exam Shift-I, 16-02-2020	100
39.	Forest Guard Recruitment Exam Shift-II, 16-02-2020	100
40.	UKSSSC कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) Shift-II 20/12/2020	100
41.	UKSSSC कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) Shift-I 20/12/2020	100
42.	UKSSSC एल.टी. (विज्ञान) 21/01/2020	100
43.	UKSSSC पशुधन प्रसार अधिकारी 21/12/2020 Shift-I	100
44.	UKSSSC पशुधन प्रसार अधिकारी 21/12/2020 Shift-II	100
45.	UKSSSC पशुधन प्रसार अधिकारी 22/12/2020 Shift-I	100
46.	UKSSSC पशुधन प्रसार अधिकारी 22/12/2020 Shift-II	100
47.	UKSSSC पशुधन प्रसार अधिकारी 23/12/2020 Shift-I	100
48.	UKSSSC पशुधन प्रसार अधिकारी 23/12/2020 Shift-II	100

49.	UKSSSC सहायक लेखाकार पंतनगर 29/11/2020	100
50.	High Court Junior Assistant Exam 01-12-2019	100
51.	Assistant Review Officer (ARO) Exam 29-12-2019	150
52.	UKSSSC इलेक्ट्रीशियन/मैकेनिक 16/06/2019	200
53.	UKSSSC प्रशिक्षण अधिकारी/शोध अधिकारी 19/05/2019	100
54.	UKSSSC पर्यवेक्षक (बेकरी) कन्फैक्शनरी 19/05/2019	100
55.	UKSSSC केमिस्ट 19/05/2019	100
56.	UKSSSC प्रयोगशाला सहायक 19/05/2019	100
57.	UKSSSC सहायक लेखाकार 19/05/2019	100
58.	UKSSSC डेन्टल हाइजीनिस्ट 19/05/2019	100
59.	UKSSSC क्रीड़ा सहायक 19/05/2019	100
60.	UKSSSC मैकेनिक, टायर निरीक्षक, सहायक भण्डारपाल 19/05/2019	100
61.	UKSSSC तबला वादक 19/05/2019	100
62.	UKSSSC सहकारी निरीक्षक वर्ग-2/ सहायक विकास अधिकारी 19/06/2019	100
63.	UKSSSC सहायक भण्डारपाल, वैज्ञानिक सहायक 28/06/2019	100
64.	UKSSSC मशीन सहायक ऑफसेट 09/09/2019	100
65.	UKSSSC प्रयोगशाला, फार्मेसी, मत्स्य निरीक्षक, निरीक्षक, (रेशम), अधिदर्शक/प्रदर्शक (रेशम) सहकारिता पर्यवेक्षक, मधु विकास निरीक्षक 28/06/2019	100
66.	UKSSSC कैटलॉगर 16/06/2019	100
67.	UKSSSC पर्यवेक्षक (पाककला/कुकरी) 16/06/2019	100
68.	UKSSSC पर्यवेक्षक कैनिंग 16/06/2019	100
69.	UKSSSC फिटर मैकेनिक 16/06/2019	100
70.	Gram Panchayat Vikas Adhikari Exam 25-02-2018	100
71.	Junior Assistant & Data Entry Operator Exam 06-05-2018	100
72.	Vidhi Sahayak Exam 20-05-2018	100
73.	Junior Assistant Exam 28-10-2018	100
74.	Assistant Social Welfare Officer Exam 25-11-2018	100
75.	UKSSSC वाहन चालक/प्रवर्तक चालक 11/04/2018	100
76.	UKSSSC सहायक लेखाकार 13/05/2018	100
77.	UKSSSC सर्वेयर 13/05/2018	100
78.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (हॉकी) 20/05/2018	100
79.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (बॉक्सिंग) 20/05/2018	100
80.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (क्रिकेट) 20/05/2018	100
81.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (एथलेटिक्स) 20/05/2018	100
82.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (बैंडमिंटन) 20/05/2018	100
83.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (ताइक्वांडो) 20/05/2018	100
84.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (हैंडवॉल) 20/05/2018	100
85.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (टेबल टेनिस) 20/05/2018	100
86.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (वॉलीबॉल) 20/05/2018	100
87.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (जूडो) 20/05/2018	100
88.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (तैराकी) 20/05/2018	100
89.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (कबड्डी) 20/05/2018	100
90.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (बास्केटवॉल) 20/05/2018	100
91.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (कुश्ती) 20/05/2018	100
92.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (लॉन टेनिस) 20/05/2018	100
93.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (भारोत्तोलन) 20/05/2018	100
94.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (तीरंदाजी) 20/05/2018	100
95.	UKSSSC एल.टी. कला 21/01/2018	100
96.	UKSSSC एल.टी. हिन्दी 21/01/2018	100

97.	UKSSSC एल.टी. गृह विज्ञान 21/01/2018	100
98.	UKSSSC एल.टी. संगीत 21/01/2018	100
99.	UKSSSC एल.टी. गणित 21/01/2018	100
100.	UKSSSC एल.टी. व्यायाम 21/01/2018	100
101.	UKSSSC एल.टी. संस्कृत 21/01/2018	100
102.	UKSSSC एल.टी. वाणिज्य 21/01/2018	100
103.	UKSSSC एल.टी. सामान्य 21/01/2018	100
104.	UKSSSC एल.टी. उर्दू 21/01/2018	100
105.	UKSSSC एल.टी. अंग्रेजी 21/01/2018	100
106.	UKSSSC पुस्तकालय लिपिक 22/04/2018	100
107.	UKSSSC सहायक विकास अधिकारी 28/01/2018	100
108.	UKSSSC प्रतिरूप सहायक 28/01/2018	100
109.	UKSSSC कनिष्ठ कैमरामैन/टी.वी. टेक्नीशियन 29/04/2018	100
110.	UKSSSC फोटोग्राफर (वि0वि0 प्रयोगशाला) 29/04/2018	100
111.	Storekeeper Exam 09-01-2017	100
112.	Junior Assistant or Computer Operator Exam 09-01-2017	100
113.	Sinchpal Exam 21-05-2017	100
114.	Amin Post Exam 11-06-2017	100
115.	Social Welfare Officer Exam 21-06-2017	100
116.	Cartographer or Draftman Exam 25-06-2017	100
117.	Pharmacists Recruitment Exam 06-08-2017	100
118.	State Observer Exam 12-11-2017	100
119.	UKSSSC Nalkoop Mistri 02/07/2017	100
120.	UKSSSC E.C.G. Technician 02/07/2017	100
121.	UKSSSC J.E. (Civil) 05/11/2017	100
122.	UKSSSC Computer Programmer-cum-operator 05/11/2017	100
123.	UKSSSC J.E. (I.T.) 05/11/2017	100
124.	UKSSSC सहायक कृषि अधिकारी वर्ग-3 10/01/2017	100
125.	UKSSSC सहायक लेखाकार आयोग 10/01/2017	100
126.	UKSSSC अमीन 11/06/2017	100
127.	UKSSSC टैक्नीशियन ग्रेड-2 (यांत्रिक) 11/12/2017	100
128.	UKSSSC सहायक भण्डारपाल (बैकलॉग) 19/01/2017	100
129.	UKSSSC एक्स-रे टेक्नीशियन 28/05/2017	100
130.	Assistant Writer Exam Shift-I , 17-01-2016	100
131.	Assistant Writer Exam Shift-II , 17-01-2016	100
132.	Lab Assistant (Physics) Exam 17-01-2016	100
133.	Office Assistant or Computer Operator 14-02-2016	100
134.	Lab Assistant cartographer Exam 21-02-2016	100
135.	Gram Panchayat Vikas Adhikari Exam 06-03-2016	100
136.	Utarakhand Mahila Police Constable Exam 10-07-2016	100
137.	Matsy Nirikshak Exam 04-09-2016	50
138.	Utarakhand samiksha Adhikari Exam 10-09-2016	150
139.	Jail Bandi Rakshak Exam 09-10-2016	100
140.	Sahayak Ganna Parvekshak Exam 16-10-2016	100
141.	Police Dursanchar Vibhag Parichalak Exam 21-10-2016	100
142.	Utarakhand Zila Sahkari Exam 25-10-2016	100
143.	Data Entry Operator Exam 06-11-2016	100
144.	Personal Assistant Exam 06-11-2016	100
145.	Assistant Review Officer (ARO) Exam 04-12-2016	100
146.	Van Kshetradhikari (FRO) Exam 26-12-2016	150
147.	Cooperative Inspector Class Exam 17-01-2015	100
148.	Mukhya Sevika Exam 25-01-2015	100

149.	High Court Lipic, Exam - I, 08-02-2015	100
150.	High Court Stenographar Exam - II, 08-02-2015	150
151.	Sachivalay Prashasan Rakshak Exam 15-03-2015	140
152.	Pradeshik Resham Vibhag Exam 22-03-2015	100
153.	Rajkiy Paryvechak Exam 26-07-2015	100
154.	Uttrakhand Group (C) Bharti Exam 2015	100
155.	Karyalay Sahayak Exam 20-09-2015	100
156.	Forest Archhi Bharti Exam - 2015 Paper - C	100
157.	Prayogshala Sahayak (Chemistry) Exam 29-11-2015	50
158.	Prayogshala Sahayak (biology) Exam 20-12-2015	200
159.	Personnel Assistant or Picture writer Exam 25-02-2014	100
160.	Uttarakhand Police Constable Exam 19-10-2014	100
161.	Assistant Review Officer Exam 21-12-2014	200
162.	Jel Bandi Rakshak Exam 15-09-2013	100
163.	UKPSC General Hindi Pre Exam 16-02-2013	100
164.	Utarakhand High Court Exam 25-06-2012	140

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग

क्र. सं.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा वर्ष	प्रश्नों की संख्या
1.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग प्रा. परीक्षा, 2002-2025	9×150 = 1300
2.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा, 2002-2010	4×150 = 600
3.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग यू.डी.ए., एल.डी.ए. प्रा. परीक्षा, 2003-2016	3×150 = 450
4.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग यू.डी.ए., एल.डी.ए. मुख्य. परीक्षा, 2007-2016, 2023	2×100 = 200 1×200 = 200
5.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी प्रा. परीक्षा, 2021-2022, 2023, 2024, 2024-25, 2025	5×150 = 750 3×200 = 600
6.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग लोअर सबार्डिनेट प्रा. परीक्षा, 2011-2021, 2025	4×150 = 600
7.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग सहायक वन संरक्षक/फॉरेस्ट रेंजर प्रा. परीक्षा, 2012-2021, 2025	5×150 = 750
8.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग अपर निजी सचिव मुख्य परीक्षा, 2017, 2021	1×100 = 100 1×150 = 150
9.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग जे. प्रा. परीक्षा, 2002-2022, 2025	13×50 = 650
10.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग ए.पी.ओ. प्रा. परीक्षा, 2009-2021	3×100 = 300
11.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग सहायक अभियंता प्रा. परीक्षा, 2007-2021	4×100 = 400
12.	फॉरेस्ट गॉर्ड परीक्षा, 2022	1×100 = 100
13.	टैक्स एवं रेवेन्यू इंस्पेक्टर परीक्षा, 2023	1×200 = 200
14.	जेल वॉर्डन परीक्षा, 2022	1×100 = 100
15.	गर्वनमेंट पॉलिटेक्निक लेक्चरर परीक्षा, 2015	1×150 = 150
16.	जूनियर असिस्टेंट परीक्षा, 2022	1×100 = 100
17.	पटवारी लेखपाल परीक्षा 2022	1×100 = 100
18.	पर्सनल असिस्टेंट परीक्षा, 2019	1×40 = 40
19.	चीफ फायर अधिकारी परीक्षा, 2021	1×150 = 150
20.	पुलिस कांस्टेबल परीक्षा, 2021	1×100 = 100
21.	अधीक्षक (महिला कल्याण विभाग) परीक्षा, 2021	1×100 = 100
22.	व्यवस्थापक (उत्तरखण्ड लोक सेवा आयोग) परीक्षा, 2021	1×50 = 50
23.	डॉफ्टमैन परीक्षा, 2023	1×150 = 150
24.	रीजनल इंस्पेक्टर (तकनीकि) परीक्षा, 2022	1×150 = 150
25.	डाटा इंट्री ऑपरेटर परीक्षा, 2023	1×50 = 50
26.	पुलिस उपनिरीक्षक परीक्षा, 2024	1×300 = 300

नोट- उपरोक्त प्रश्न-पत्रों के सम्यक विश्लेषण के उपरान्त **उत्तराखण्ड** से सम्बन्धित कुल **15624** प्रश्नों को अध्यायवार प्रस्तुत किया गया है। दुहराव वाले प्रश्नों का परीक्षा वर्ष एवं परीक्षा नाम यथास्थान निर्दिष्ट कर दिया गया है। इसके साथ ही साथ लगभग समान प्रकृति वाले प्रश्नों का भी समावेश किया गया है ताकि प्रश्न पूछने की तकनीकि का प्रतियोगियों को लाभ मिल सके।

पूर्व परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नों का विश्लेषणात्मक पाई चार्ट एवं बार ग्राफ

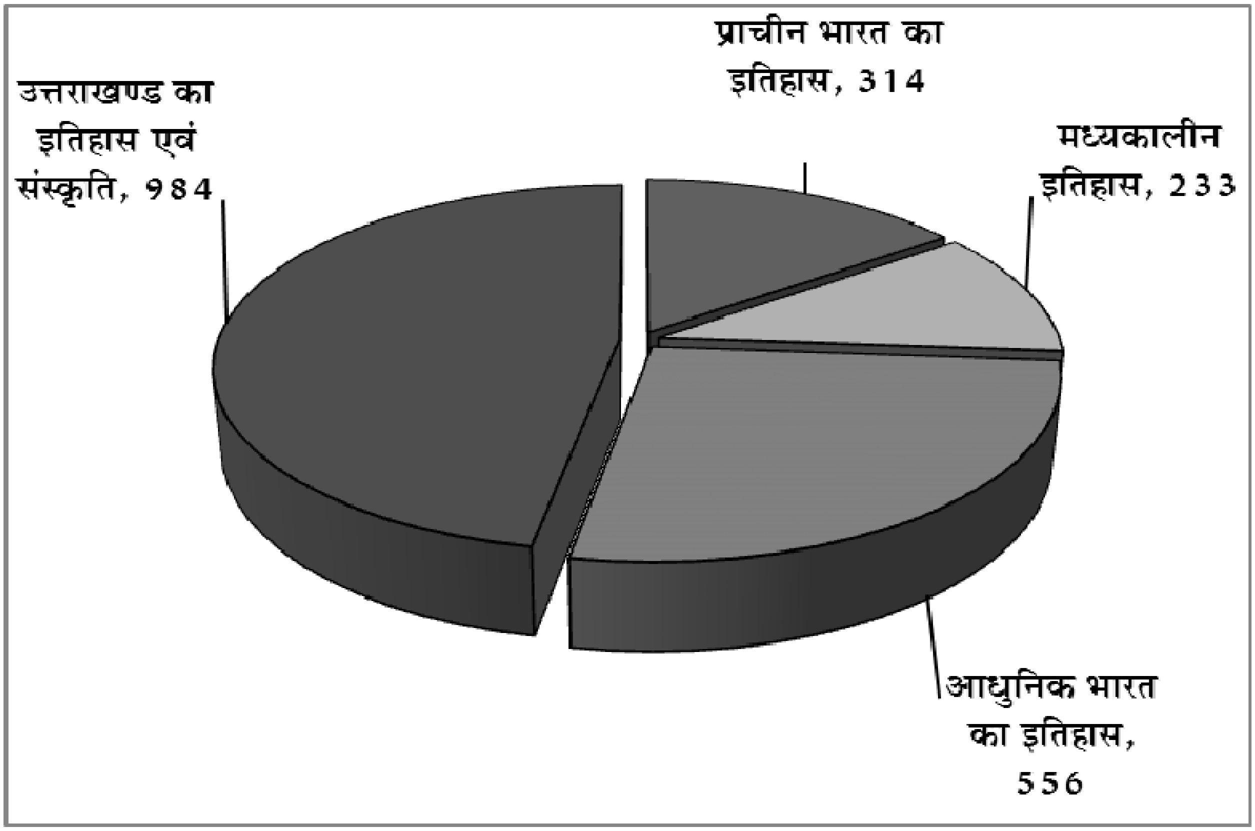

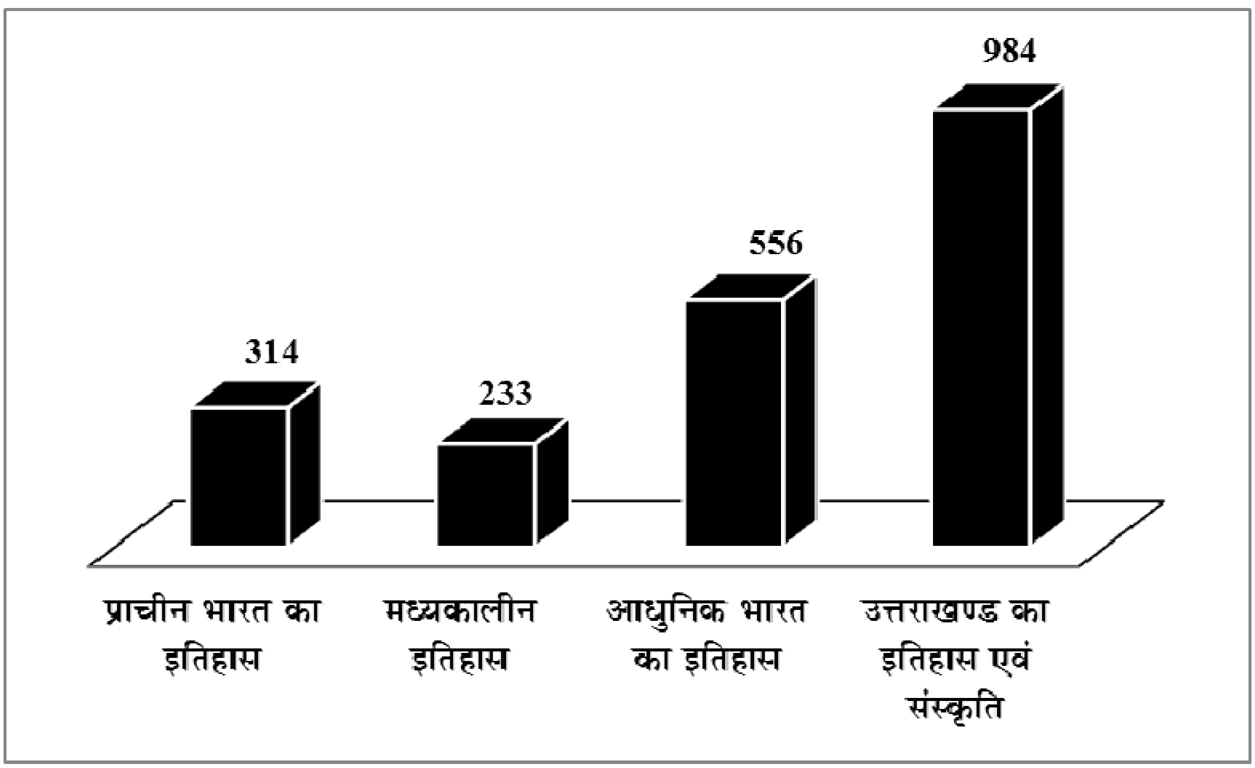

01. प्राचीन इतिहास

प्रागैतिहासिक काल

1. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

सूची-I	सूची-II
A. निम्न पुरापाषाण कालीन स्थल	1. डीडवाना
B. मध्य पुरापाषाण कालीन स्थल	2. लंघनाज
C. उच्च पुरापाषाण कालीन स्थल	3. इसामपुर
D. मध्यपाषाण कालीन स्थल	4. संघाओ

कूट:	A	B	C	D
(a)	3	1	2	4
(b)	3	1	4	2
(c)	1	3	4	2
(d)	3	4	1	2

UK Police Constable Exam- 03.08.2025

Ans. (b) :

सूची-I (स्थल)		सूची-II (काल)
(A) इसामपुर (कर्नाटक)	–	निम्न पुरापाषाण काल
(B) डीडवाना (राजस्थान)	–	मध्य पुरापाषाण काल
(C) संघाओ (खैबर पख्तूनख्वा)	–	उच्च पुरापाषाण काल
(D) लंघनाज (गुजरात)	–	मध्य पाषाण काल

2. भारत में मानव का सर्वप्रथम साक्ष्य कहाँ मिलता है?
(a) नीलगिरी पहाड़ियाँ (b) शिवालिक पहाड़ियाँ
(c) नल्लमाला पहाड़ियाँ (d) नर्मदा घाटी

UK PSC (Pre) 2006-07

Ans. (d) : भारत में मानव का सर्वप्रथम साक्ष्य मध्य प्रदेश राज्य के होशंगाबाद जिले में नर्मदा तट पर हथनोरा नामक पुरास्थल से मिला है। यहाँ से मानव खोपड़ी का जीवाश्म मिला है। इसे होमो एरेक्टस वर्ग के अन्तर्गत रखा गया है। इसका पता डॉ अरूण सोनकिया ने लगाया था।

3. मानव द्वारा प्रयोग में लाई गयी पहली धातु कौन सी थी?
(a) ताँबा (b) टिन (c) काँसा (d) लोहा

UK PSC AE 2007

Ans. (a) : आज से लगभग 4200 ई.पू. मानव को ताँबा धातु का ज्ञान हुआ था। यह मानव द्वारा प्रयोग की जाने वाली प्रथम धातु बनी। इसकी ठोस प्रवृत्ति और आसानी से न टूटने की क्षमता ने मानव को इसे हथियार बनाने हेतु प्रेरित किया।

4. भूगर्भीय समय-स्केल के किस युग में मानव की उत्पत्ति हुई?
(a)पेलियोजोइक (b) प्रिकैम्ब्रियन (c) सीनोजोइक (d) मीसोजोइक

UKPSC ACF (Pre) 2019

ANs. (c) : सीनोजोइक युग की प्रमुख घटनायें
- पूरे विश्व की महान पर्वत शृंखलाएँ बनी
- पहले होमिनिड दिखाई दिये
- ध्रुवीय टोपियाँ विकसित की गईं।
- मानव प्रजाति ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

5. निम्न में से किस जाति की गणना हिमालय की प्रागैतिहासिक जातियों में नहीं की जाती है।
(a) गंधर्व (b) यक्ष (c) किन्नर (d) शक

UKPSC Lower (Pre) 2021

Ans. (d) : हिमालय की प्रागैतिहासिक जातियों में शक की गणना नहीं की जाती है। ब्रह्म एवं वायुपुराण के अनुसार कुमाऊँ क्षेत्र में किरात, किन्नर, यक्ष, गंधर्व, विद्याधर, नाग आदि जातियाँ निवास करती थी।

6. निम्न में से कौन सा स्थल चित्रकला के लिए प्रसिद्ध है?
(a) अजन्ता (b) भीम बेटका (c) बाघ (d) अमरावती

UKPSC AFO (Pre) 2015, UK ARO 29/12/2019
UKPSC UDA/LDA (Mains) 2006

Ans. (b) : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से 40 किमी. दक्षिण में भीमबेटका नामक एक पहाड़ी पर स्थित है। इस पहाड़ी पर ऊँची चट्टानों की एक श्रृंखला खड़ी है यहाँ करीब 700 गुफाओं (दरियाँ) में शैल चित्रों का अपूर्व संसार बसा है। ऐसी विस्मयपूर्ण प्रागैतिहासिक चित्रशालाएँ संसार में अन्यत्र नहीं मिलती हैं। भीम बेटका की खोज का श्रेय स्व. विष्णु श्रीधर वाकणकर को है। विद्वानों के मतानुसार यहाँ पर बने चित्र 8000 ई.पू. से लेकर 1500 ई. पूर्व तक के हैं।

7. निम्नलिखित में से किस स्थान पर मानव के साथ कुत्ते को दफनाए जाने (Burying the Dog) का साक्ष्य मिला है?
(a) बुर्जहोम (b) कोल्डीहावा (c) चौपानी (d) माण्डो

UKPSC (Pre) 2009-10

Ans. (a) : जम्मू-कश्मीर प्रदेश की झेलम नदी घाटी से अनेक नवपाषाणिक स्थलों की खोज की गयी, जिसमें बुर्जहोम, गुफ्कराल, मार्तण्ड आदि प्रमुख हैं। बुर्जहोम से अनेक सामग्रिया एवं उपकरण के साक्ष्य प्रकाश में आए हैं। यहाँ से कुल्हाड़ियाँ, छेनी, बसुले, खुरपा, गड़ांसा, गदाशीर्ष, कुदाल आदि उपकरणों के साक्ष्य मिलते हैं। साथ ही यहाँ से शवाधान की एक विशिष्ट परम्परा के अंतर्गत कुत्तों को मानव शवों के साथ दफनाने के साक्ष्य भी दिखाई देते हैं, जो पारलौकिक सत्ता में उनकी आस्था का प्रमाण देता है।

8. प्रसिद्ध प्रागैतिहासिक कला केन्द्र मिर्जापुर स्थित है:
(a) कैमूर पहाड़ी में (b) विन्ध्य पहाड़ी में
(c) तैमूर पहाड़ी में (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UK Asst. Teacher (Art) 08/08/2021

Ans. (b) : प्रागैतिहासिक कला केन्द्र के रुप में प्रसिद्ध, मिर्जापुर उत्तर प्रदेश का एक जिला है, जो विन्ध्य की पहाड़ियों में स्थित है। विन्ध्य पर्वत का विस्तार गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखण्ड राज्यों में लगभग 1086 किमी. तक है।

सैन्धव सभ्यता

9. लेखन की ''बूस्ट्रोफेदन''शैली निम्न में से किससे संबंधित है?
(a) चित्रित धूसर मृद्भाण्ड संस्कृति
(b) हड़प्पा की सभ्यता
(c) महापाषाणिक संस्कृति (d) संगम युग

UKPSC RO/ARO 2025

Ans. (b) : बूस्ट्रोफेदन सिंधु सभ्यता की एक प्रकार की लेखन पद्धति है जो कि भावचित्रात्मक है। यह लिपि एक पंक्ति में दाये से बाएँ और अगली पंक्ति में बाएँ से दाएँ लिखी जाती थी। हड़प्पा सभ्यता की लिपि में इस शैली के संकेत मिलते हैं।

10. सूची-I और सूची-II का सुमेल कीजिए और सही उत्तर का चयन कीजिए:

सूची-I	सूची-II
I. राखीगढ़ी	A. गुजरात
II. धौलावीरा	B. राजस्थान
III. कालीबंगा	C. हरियाणा
IV. आलमगीरपुर	D. उत्तरप्रदेश

	I	II	III	IV
(a)	B	C	D	A
(b)	C	A	B	D
(c)	B	D	C	A
(d)	C	A	D	B

UKPSC RO/ARO (Mains) 2023

Ans.(b) : सूची-I और सूची-II का सुमेलन निम्न हैं-

सूची-I	सूची-II
राखीगढ़ी	हरियाणा
धौलावीरा	गुजरात
कालीबंगा	राजस्थान
आलमगीरपुर	उत्तर प्रदेश

11. **(A) अभिलेखीय और पुरालेखीय अध्ययन के आधार पर इस बात का संकेत मिलता है कि हड़प्पाई लिपि सिर्फ प्रतीक नहीं था। यह दोनों चित्रात्मक और चित्राक्षर था।**
(B) इसलिए हड़प्पाई लिपि आगे चलकर शब्दाक्षर के रूप में माना गया।
(a) कथन (A) सही है, लेकिन कथन (B) गलत है।
(b) कथन (A) गलत है, लेकिन कथन (B) सही है।
(c) कथन (A) सही है, लेकिन कथन (B) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) कथन (A) एवं कथन (B) दोनों सही हैं और कथन (B) कथन (A) की सही व्याख्या भी है।
UKPSC RO/ARO (Mains) 2023

Ans.(d) : हड़प्पा लिपि, सिंधु घाटी सभ्यता की प्रमुख लिपि थी। यह लिपि चित्रात्मक थी और इसमें चित्रों और प्रतीकों का इस्तेमाल किया गया था। अतः इसे आगे चलकर शब्दाक्षर के रूप में माना गया था। अतः प्रश्नगत कथन (A) और कथन (B) दोनो सही हैं तथा कथन (B), कथन (A) की व्याख्या भी है।

12. **निम्नलिखित में से कौन सा युग्म का सही मिलान है?**
I. आर्य आक्रमण का सिद्धांत-मार्टीमर व्हीलर
II. मेसोपोटामिया के साथ व्यापार में गिरावट-शिरीन रत्नाकर
III. शुष्क पर्यावरण का आगमन-गुरदीप सिंह
IV. बाढ़ का सिद्धांत-बी.बी.लाल
(a) केवल I एवं II (b) केवल II एवं III
(c) केवल I, II एवं III (d) सभी I, II, III एवं IV
UKPSC RO/ARO (Mains) 2023

Ans.(c) : आर्य आक्रमण का सिद्धांत- मार्टीमर व्हीलर मेसोपोटामिया के साथ व्यापार में गिरावट- शिरीन रत्नाकर
बाढ़ का सिद्धांत - एम.आर.साहनी
अतः उपर्युक्त विकल्पों में विकल्प (c) सही है।

13. **सिन्धु घाटी सभ्यता जानी जाती है-**
1. अपने नगर नियोजन के लिए
2. मोहनजोदड़ो और हड़प्पा के लिए
3. अपने कृषि सम्बन्धी कार्य के लिए
4. अपने उद्योगों के लिए
नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए-
कूट : (a) 1 और 2 (b) 1, 2 और 3
(c) 2, 3 और 4 (d) उपर्युक्त सभी
UKPSC UDA/LDA (Pre) 2003

Ans. (d) : सुमेरियन, बेबीलोनियन तथा मिस्र की सभ्यताओं की समकालीन सिन्धु सभ्यता अपने नगर-नियोजन एवं जल-निकास प्रणाली के लिए विख्यात है। मोहनजोदड़ो तथा हड़प्पा इस सभ्यता के विशिष्ट नगर हैं जो क्रमशः सिन्धु तथा रावी के तट पर स्थित है। सैन्धव निवासियों के जीवन का मुख्य उद्यम यद्यपि कृषि कर्म था किन्तु सभ्यता की विशिष्ट पहचान उसके व्यापार वाणिज्य से थी। सीप उद्योग, मनका उद्योग, मृद्भाण्ड उद्योग एवं धातुओं को गलाने एवं ढालने की कला से लोक परिचित थे।

14. **निम्नलिखित हड़प्पाकालीन स्थलों में से कौन सा वर्तमान में पाकिस्तान में स्थित है?**
(a) लोथल (b) राखीगढ़ी (c) धौलावीरा (d) मोहनजोदाड़ो
UKPSC CFO Exam-2021

Ans. (d) : दिये गये हड़प्पाकालीन स्थलों में मोहनजोदड़ों वर्तमान पाकिस्तान में स्थित है। पाकिस्तान में स्थित अन्य स्थल है। सुत्कागेण्डोर, सोरकाकोह, डाबारकोट, बालाकोट,मोहनजोदड़ों, चन्हूदड़ों आदि स्थल है।

15. **सिन्धु घाटी सभ्यता के लोगों के आराध्य थे**
(a) पशुपाति (b) इन्द्र और वरुण
(c) ब्रह्मा (d) विष्णु
UK Dist. Co-Operative Bank 06/03/2016
UK PSC (Mains) 2016, UK PSC AE 2007

Ans. (a) : सिन्धु सभ्यता में मातृशक्ति की पूजा सर्वप्रधान थी। यहाँ से सबसे अधिक नारी की मृणमूर्तियाँ प्राप्त हुई हैं। हड़प्पा से प्राप्त मुहर में स्त्री के गर्भ से एक पौधा निकलता हुआ दिखाया गया है। हड़प्प सभ्यता में पशुपति की पूजा प्रचलित थी। मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक मुहर में तीन मुख वाला एक पुरुष ध्यान की मुद्रा में बैठा है।

16. **निम्नलिखित में से किस हड़प्पा स्थल में, मनके बनाने के अवशेष मिले हैं?**
(a) चान्हुदड़ो (b) कालीबंगा (c) धौलावीरा (d) रोपड़
UKPSC Regional Inspector (Technical) Exam - 2022

Ans.(a): मनके बनाने के अवशेष चन्हूदड़ों तथा लोथल से प्राप्त हुए हैं। मनके, सेलखड़ी,गोमेद, शंख, सीप, हाथी दाँत आदि से निर्मित ढोलाकार, अण्डाकार, अर्द्धवृत्ताकार आदि आकृति में मिले हैं।

17. **हड़प्पा सभ्यता के अंतर्गत किस उत्पाद की खेती नहीं होती थी?**
(a) जौ (b) गन्ना (c) धान (d) गेहूँ
UK PSC AE 2013

Ans. (b) : हड़प्पा सभ्यता में भारत की एक प्रमुख फसल गन्ने की खेती का साक्ष्य अभी तक नहीं मिला है। हड़प्पावासी विभिन्न प्रकार की फसलें उगाते थे। वे गेहूँ, जौ, धान, ज्वार, बाजरा आदि पैदा करते थे। इनका मुख्य खाद्यान्न गेहूँ और जौ थे विश्व में सबसे पहले कपास पैदा करने का श्रेय हड़प्पावासियों को ही है। चूँकि सर्वप्रथम सिन्धु सभ्यता के लोगों ने ही कपास का उत्पादन शुरू किया था, इसलिए यूनान के लोग कपास को सिन्डन (Sinden) कहने लगे जो सिन्धु का ही यूनानी रूपान्तर है। कपास का प्राचीनतम साक्ष्य मेहरगढ़ पुरास्थल से प्राप्त हुआ है।

18. **धौलावीरा, हड़प्पा सभ्यता का दक्षिण केंद्र, जिसे हाल ही में यूनेस्को विश्व विरासत साइट टैग प्राप्त हुआ है, भारत के किस राज्य में स्थित है?**
(a) पंजाब (b) गुजरात (c) मध्य प्रदेश (d) झारखंड
UKPSC RO/ARO (Pre) 2021

Ans.. (b) : हड़प्पा सभ्यता का दक्षिणी केन्द्र धौलावीरा गुजरात राज्य के कच्छ जिले के भचाऊ तालुका में स्थित एक सैन्धव स्थल है। धौलावीरा के टीलों की खोज वर्ष 1967-68 ई. में जे.पी. जोशी ने की थी। इसका उत्खनन कार्य आर.एस. विष्ट ने 1990-91 में किया था। यह भारत में स्थित सिन्धु सभ्यता का दूसरा सबसे बड़ा नगर था जो अच्छी तरह से संरक्षित शहरी बस्तियों में से एक था। हाल ही में यूनेस्को ने धौलावीरा शहर को भारत के 40वें विश्व धरोहर स्थल के रूप में घोषित किया है। इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने वाली भारत में सिन्धु सभ्यता की यह पहली साइट है।

19. **मार्टिमर व्हीलर और स्टुअर्ट पिग्गट के अनुसार सिंधु सभ्यता की तिथि थी :**
(a) 2350 ई.पू.-1700 ई.पू. (b) 2500 ई.पू.-1500 ई.पू.
(c) 2500 ई.पू.-1750 ई.पू. (d) 2800 ई.पू.-2500 ई.पू.
UKPSC RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : मार्टिमर व्हीलर और स्टुअर्ट पिग्गट के अनुसार, सिन्धु सभ्यता की तिथि 2500 ई.पू. से 1500 ई.पू. को माना गया है। जबकि रेडियो कार्बन विधि के आधार पर 2300 ई.पू. से 1700 ई.पू.। जॉन मार्शल के अनुसार 3250 ई.पू. से 2750 ई.पू. तथा मैके के अनुसार, 2800 ई.पू. 2500 ई.पू. को माना गया है।

20. **लोथल कहाँ है?**
(a) गुजरात (b) राजस्थान (c) पाकिस्तान (d) हरियाणा
UK Machine Helper 09/06/2019
UKPSC (Pre) 2009-10

Ans. (a) : लोथल एक हड़प्पाकालीन स्थल है, जो गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के किनारे पर स्थित है। इसकी खोज 1954 ई. में रंगनाथ राव द्वारा की गयी। यहाँ से एक गोदीबाड़ा का साक्ष्य मिला है, जो हमें सैंधव सभ्यता की जल परिवहन व्यवस्था व विदेश व्यापार के सम्बन्ध में जानकारी देता है। इसके अतिरिक्त यहाँ से युग्म समाधि और बर्तनों के साक्ष्य भी मिले हैं।

21. निम्नलिखित में 'चित्रलेखात्मक लिपि' किस काल से संबंधित है?

(a) वैदिक काल (b) मौर्य काल
(c) सैन्धव सभ्यता काल (d) गुप्त काल

UK LT General 21/01/2018

Ans. (c) : 'चित्रलेखात्मक लिपि' सैन्धव काल से संबंधित है। इस सभ्यता की खोज वर्ष 1921 में रायबहादुर दयाराम साहनी ने की थी। इसका विस्तार त्रिभुजाकार है।

22. निम्नलिखित में से कौन-सा भारत में खोजा गया नवीनतम सिन्धु स्थल है?

(a) मालदा (b) धौलावीरा (c) रंगपुर (d) कालीबंगा

UK Secrctarial Guard 26/09/2021

Ans. (b) : धौलावीरा नगर गुजरात के कच्छ जिले में खादिर बेट नामक द्वीप के उत्तरी-पश्चिमी कोने पर बसा हुआ एक छोटा-सा गाँव है। धौलावीरा के टीलों की खोज सन् 1967-68 ई0 में श्री जे.पी. जोशी ने की। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के आर.एस. विष्ट (1990-91) के निर्देशन में उत्खनन कार्य हुआ।

23. हड़प्पा से प्राप्त ''पुरुष धड़'' बना है:

(a) काँसे का (b) लाल चूना पत्थर का
(c) स्वर्ण का (d) बलुआ पत्थर का

UK Asst. Teacher (Art) 08/08/2021

Ans. (b) : हड़प्पा से प्राप्त 'पुरुष धड़' लाल-चूना पत्थर का बना है। इस पुरुष को एक धार्मिक व्यक्ति माना जाता है। यह प्रमुख स्थल रावी नदी के किनारे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के साहीवाल जिला में स्थित है।

24. मोहनजोदड़ों से प्राप्त ''मातृ देवी' की मूर्ति का माध्यम है:

(a) सीमेन्ट (b) बलुआ पत्थर (c) कांसा (d) टेराकोटा

UK Asst. Teacher (Art) 08/08/2021

Ans. (d) : मोहनजोदड़ो से प्राप्त ''मातृ देवी'' की मूर्ति का माध्यम 'टेराकोटा' है। यहां से प्राप्त स्नानागार संभवतः सैन्धव सभ्यता की सबसे बड़ी इमारत है। यह पुरास्थल सिंधु नदी के किनारे पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त में स्थित है।

25. सिन्धु घाटी सभ्यता का दूसरा नाम क्या है –

(a) हड़प्पा संस्कृति (b) मोहनजोदड़ो संस्कृति
(c) मेसोपोटामिया की सभ्यता (d) मिश्र की सभ्यता

UK Jr.Asst./Computer opreatar 09/01/2017

Ans. (a) : सिन्धु घाटी सभ्यता का दूसरा नाम 'हड़प्पा संस्कृति' है। इसकी सर्वमान्य तिथि 2400 ईसा पूर्व से 1700 ई.पू. मानी गई है। इसका विस्तार त्रिभुजाकार है।

26. किस प्रकार की मुहरें सिन्धु सभ्यता और मेसोपोटामिया के मजबूत रिश्तों को बताती है–

(a) बेलनाकार (b) आयताकार
(c) त्रिकोणाकार (d) गोलाकार

UK VDO 25/07/2018

Ans. (a) : बेलनाकार प्रकार की मुहरें सिन्धु सभ्यता और मेसोपोटामिया के मजबूत रिश्तों को बताती हैं।

27. मेसोपोटामिया के हथियार बने थे –

(a) जस्ता (b) लोहा (c) काँसा (d) ताँबा

UK Jr. Assistant 28/10/2018

Ans. (c) : मेसोपोटामिया की सभ्यता में अनेक तरह के शिल्प कार्यों के लिए काँसे के औजारों का प्रयोग किया जाता था। प्रमुख मेसोपोटामिया सभ्यताओं में सुमेरियन, असीरियन, अक्कादियन और बेबीलोनियन सभ्यताओं की सभ्यताएं शामिल है। सामान्य औजारों में पत्थर, हड्डियाँ और धातुएँ शामिल हैं।

28. हड़प्पा सभ्यता के बाजरे के दाने गुजरात के स्थलों से प्राप्त हुये थे। वे स्थल हैं –

(a) कालीबंगन व लोथल (b) लोथल व रंगपुर
(c) नागेश्वर व रंगपुर (d) इनमें से कोई नहीं

UK Asst. Social welfare Officer 25/11/2018

Ans. (b) : हड़प्पा सभ्यता के बाजरे व चावल के दाने के अवशेष गुजरात के लोथल व रंगपुर से प्राप्त हुये थे। लोथल से घोड़े की लघु मृण्यमूर्ति, तीन युग्म समाधि, मुहरें, बाट-माप आदि पुरातात्विक अवशेष प्राप्त हुए हैं। कालीबंगा में जुते हुए खेत, हवनकुण्ड, अलंकृत ईंट, बेलनाकार मुहर, युगल तथा प्रतीकात्मक समाधियाँ आदि प्रमुख पुरातात्विक साक्ष्य हैं।

29. हड़प्पाकालीन का लोथल स्थित है –

(a) गुजरात में (b) मेरठ में
(c) राजस्थान में (d) हरियाणा में

UK Forest Gaurd Shift-II 16/02/2020

Ans. (a) : लोथल गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के किनारे स्थित है। इसे लघु हड़प्पा/मोहनजोदड़ों भी कहते हैं। यह विश्व का प्राचीनतम गोदीबाड़ा (जहाजों की गोदी) है।

हड़प्पा कालीन विभिन्न स्थल एवं उन से सम्बंधित क्षेत्र –

स्थल	वर्तमान क्षेत्र
कालीबंगा	राजस्थान
बनावली	हरियाणा
रंगपुर	गुजरात
रोपड़	पंजाब
आलमगीरपुर	मेरठ (उत्तर प्रदेश)
धौलावीरा	गुजरात

30. सिन्धु घाटी के लोग निम्न में से किससे परिचित नहीं थे–

(a) तांबा (b) चाँदी
(c) लोहा (d) उपरोक्त में कोई नहीं

UK Jr. Accountant -2012

Ans. (c) : सिन्धु घाटी के लोग ताँबा व चाँदी से परिचित थे। इन्हें लोहे का ज्ञान नहीं था। उल्लेखनीय है कि सिंधु घाटी सभ्यता एक नगरीय सभ्यता थी। इस सभ्यता का विकास सिंधु और घघ्घर/हकड़ा (प्राचीन सरस्वती) नदियों के किनारे हुआ। हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, कालीबंगा, लोथल, धौलावीरा और राखीगढ़ी इसके प्रमुख केन्द्र थे।

31. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए:

सूची-I (प्राचीन स्थल)	सूची-II (पुरातात्विक खोज)
a. लोथल	1. जुता हुआ खेत
b. कालीबंगा	2. पोतगाह
c. धौलावीरा	3. हल की टेराकोटा प्रतिकृति
d. बनावली	4. हड़प्पाकालीन लिपि के 10 विशाल आकार के संकेत समाविष्ट करने वाला शिलालेख

कूट :

	a	b	c	d
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	1	2	4	3
(d)	2	1	3	4

UKSSSC Abkari 30/06/2024

Ans. (b) : सही सुमेलन है-

लोथल	पोतगाह
कालीबंगा	जुता हुआ खेत
धौलावीरा	हड़प्पाकालीन लिपि के 10 विशाल आकार के संकेत समाविष्ट करने वाला शिलालेख
बनावली	हल की टेराकोटा प्रतिकृति

32. सिंधु घाटी के लोग निम्नलिखित में से किस पालतू पशु से परिचित नहीं थे–

(a) गाय (b) बैल (c) भैंस (d) घोड़ा

UK Police Constable 19/10/2014
UK High Court Clerk 08/02/2015

Ans. (d) : सिंधु घाटी के लोग घोड़े से परिचित नहीं थे हालांकि घोड़े का कंकाल सूरकोटडा से मिला है, और कई मृण मूर्तियाँ भी कई स्थलों से मिला है। किन्तु यह विवादग्रस्त है और माना यह जाता है कि हड़प्पा सभ्याता अश्व केन्द्रित नहीं थी।

33. डॉ. आर. एस. बिष्ट को किस क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पदम श्री पुरस्कार दिया गया–
(a) कृषि (b) पुरातत्व (c) इतिहास (d) चिकित्सा
UK Secretariat Ad. Exam 15/03/2015

Ans. (b) : डॉ. आर. एस. बिष्ट को पुरातत्व क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पदम श्री पुरस्कार प्रदान किया गया। इन्होंने वर्ष 1974 में बनावली पुरास्थल का उत्खन्न कार्य करवाया था।

34. हड़प्पा वालों को निम्न में से किसका ज्ञान नहीं था-
(a) कुओं का निर्माण (b) खम्भों का निर्माण
(c) नालियों का निर्माण (d) मंदिरों का निर्माण
UK Police Constable 19/10/2014

Ans. (d) : हड़प्पा वालों को मंदिरों के निर्माण का ज्ञान नहीं था। इस सभ्यता के लोग वृक्षों एवं पशुओं की पूजा किया करते थे।

35. सिन्धु घाटी सभ्यता के सन्दर्भ में निम्न पशुओं पर विचार कीजिए –
1. बैल 2. हाथी 3. गैण्डा
उपरोक्त में से किन पशुओं की आकृतियाँ सिन्धु मुद्राओं पर पाई जाती है –
(a) केवल 1 (b) 1 और 2 (c) 2 और 3 (d) ये सभी
UK High Court 25/06/2012

Ans. (d) : सिंधु घाटी सभ्यता में बैल, हाथी, गैण्डा तथा बाघ आदि पशुओं की आकृतियाँ मुद्राओं पर पाई गई हैं। ये मुद्राएं आमतौर पर सेलखड़ी, गोमेद, चकमक पत्थर, तांबा, कांस्य और मिट्टी से बनाई गई थी।

36. उत्तर हड़प्पाकाल की ताम्र विधि संस्कृति निम्न में से एक मृदभाण्ड प्रकार से अन्तरिम रूप में से पहचानी गई है–
(a) सोठी मृदभाण्ड (b) गेरूवर्णी मृद्भाण्ड
(c) चित्रित धूसर मृद्भाण्ड (d) उपरोक्त में कोई नहीं
UK High Court 25/06/2012

Ans. (b) : उत्तर हड़प्पाकाल की ताम्र विधि संस्कृति गेरुवर्णी मृदभाण्ड के रूप में अन्तिम रुप से पहचानी गई है। इस ताम्र विधि संस्कृति को उत्तर प्रदेश में बड़गांव और अंबा खेड़ी के रूप में पहचान की गई है।

37. भारतीय पुरातत्व का जनक किसे कहा जाता है?
(a) अलेक्जैण्डर कनिंघम (b) जॉन मार्शल
(c) दया राम साहनी (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
UK DEO Jr. Asst. TC Exam 31/10/2021

Ans. (a) : भारतीय पुरातत्व का जनक अलेक्जैण्डर कनिंघम को कहा जाता है। कनिंघम को वर्ष 1861 में प्रथम पुरातत्व सर्वेक्षणकर्ता के रूप में नियुक्त किया गया था। इन्होंने सारनाथ,भेलसा (विदिशा) और साँची में खुदाई करवाई थी।

वैदिक सभ्यता एवं उत्तर वैदिक काल

38. निम्नलिखित में से कौन सा वेद कृष्ण और शुक्ल दो शाखाओं में विभक्त है?
(a) ऋग्वेद (b) सामवेद (c) यजुर्वेद (d) अथर्ववेद
UKPSC (Pre) 29/06/2025

Ans. (c) : यजुर्वेद दो शाजाओ में विभक्त है- कृष्ण यजुर्वेद और शुक्ल यजुर्वेद। कृष्ण यजुर्वेद गद्य और पद्य दोनों में है जबकि शुक्ल यजुर्वेद केवल पद्य में है। यजुर्वेद के कर्म काण्डों को सम्पन्न कराने वाला पुरोहित 'अध्वर्यु' कहा जाता था।

39. ''दान-स्तुति'' मंत्र किस वेद के भाग हैं?
(a) ऋग्वेद (b) सामवेद (c) यजुर्वेद (d) अथर्ववेद
UKPSC RO/ARO (Mains) 2023

Ans.(a) : 'दान स्तुति' मंत्र ''ऋग्वेद'' के भाग हैं। दानस्तुति का शाब्दिक अर्थ है ''दान की प्रशंसा में गाए गए मंत्र''।

40. किस वेद में 'सभा और समिति' को 'प्रजापति की दो बेटियाँ' कहा गया है?
(a) ऋग्वेद (b) यजुर्वेद (c) अथर्ववेद (d) सामवेद
UK Asst. Teacher (Gen) 08/08/2021
UK PSC RO/ARO 2023

Ans. (c) : अथर्ववेद में सभा एवं समिति को प्रजापति की दो बेटियाँ (पुत्रियां) कहा गया है। अथर्वा ऋषि द्वारा रचित इस वेद में 20 अध्याय, 730 सूक्त तथा लगभग 6000 मंत्र हैं। अथर्वा ऋषि के नाम पर इस वेद का नाम अथर्ववेद पड़ा। किसी यज्ञ में कोई बाधा आने पर उसका निराकरण अथर्ववेद ही करता है।

41. 'शुल्व सूत्र' सम्बन्धित थेः-
(a) सामाजिक नियमों से (b) औषधि से
(c) सैन्य प्राविधि से
(d) अग्नि वेदिकाओं के माप एवं निर्माण से
UK PSC AE 2013

Ans. (d) : शुल्वसूत्र अग्नि वेदिकाओं के माप और निर्माण से संबंधित है। वेदी के कुल क्षेत्रफल का हमेशा ध्यान से सम्मान किया जाना चाहिए। चार प्रमुख सुल्वा सूत्र, जो गणितीय रुप से सबसे महत्वपूर्ण है, वे बौधायन, मानव, आपस्तंब और कात्यायन द्वारा रचित है। उनमें से सबसे पुराना बौधायन है। वे पाइथागोरस प्रमेय और पाइथागोरस त्रिक के मामलों पर चर्चा करते हैं।

42. ऋग्वेद का निम्नलिखित में से कौन-सा मंडल सोम को समर्पित है?
(a) पाँचवाँ (b) सातवाँ (c) नवाँ (d) दसवाँ
UKPSCAPO Exam - 2021
UKPSC Polytechnic Lecturer 2015-16

Ans.(c): ऋग्वेद का नौवाँ मण्डल सोम मण्डल को समर्पित है। सोम को वनस्पतियों का अधिपति माना गया है। यह मूलतः सोमपर्वतीय क्षेत्र में पायी जाने वाली कोई गुणकारी वनस्पति थी।

43. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द ऋग्वेद में उल्लिखित नहीं था?
(a) जन (b) जनपद (c) संग्राम (d) ग्राम
UK FRO (Pre) 26/12/2016
UKPSC AFO (Pre) 2015

Ans. (b) : ऋग्वेद में 'जन' शब्द का प्रयोग 275 बार किया गया है तथा 'विश' शब्द का प्रयोग 170 बार किया गया है। ग्रामों के समूह को विश कहा गया है तथा विशों के समूह को जन कहा गया है। ऋग्वेद में जनपद शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है।

44. ऋग्वेद में बहुधा वर्णित 'यव' है
(a) चावल (b) सेम (c) जौ (d) गेहूँ
UK VDO Exam 21/10/2012
UKPSC AFO (Pre) 2012

Ans. (c) : सिन्धु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilization) के पश्चात् भारत में जिस नवीन सभ्यता का विकास हुआ उसे ही आर्य (Aryan) अथवा वैदिक सभ्यता (Vedic civilization) के नाम से जाना जाता है। इस काल की जानकारी मुख्यतः वेदों से प्राप्त होती है, जिसमें ऋग्वेद सर्वप्राचीन (1500-1000 ई.पू.) वेद है। इस काल में स्तुति करना और यज्ञ में बलि या चढ़ावा देना देवताओं की उपासना की प्रमुख पद्धति थी। यज्ञाहुति में शाक और जौ डाली जाती थी। इसी को ऋग्वेद काल में 'यव' कहा गया है। ऋग्वेद में उल्लिखित 'यव' शब्द कृषि उत्पाद हेतु प्रयुक्त किया गया है।

45. वैदिक काल में 'बलि' शब्द का क्या अर्थ है?
(a) बलिदान (b) बैल
(c) आनुवंशिक (d) प्रजा द्वारा शासक को दी गई भेंट
UKPSC UDA/LDA (Mains) 2016

Ans. (d) : वैदिक काल में 'बलि' शब्द का अर्थ -प्रजा द्वारा शासक को दी गई भेंट से है।

46. जीविकोपार्जन हेतु 'वेद–वेदांग' पढ़ाने वाला अध्यापक कहलाता था–

(a) आचार्य (b) अध्वर्यु (c) उपाध्याय (d) पुरोहित

UKPSC UDA/LDA (Mains) 2006

Ans. (c) : वैदिक काल में जीविकोपार्जन हेतु 'वेद–वेदांग' पढ़ाने वाला अध्यापक 'उपाध्याय' कहलाता था जबकि पाणिनी ने चार प्रकार के अध्यापकों का उल्लेख किया है जो आचार्य, प्रवक्ता, श्रेणिय तथा अध्यापक हैं, में आचार्य अध्यापक की सबसे बड़ी पदवी थी। यजुर्वेद के मन्त्रों का उच्चारण करने वाला पुरोहित 'अध्वर्यु', कहलाता है।

47. चार पुरुषार्थों का सही क्रम चुनिए –

(a) धर्म, काम, अर्थ, मोक्ष (b) धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष
(c) अर्थ, काम, धर्म, मोक्ष (d) काम, अर्थ, धर्म, मोक्ष

UKPSC (Mains) 2010-11

Ans. (b) : उत्तर वैदिक काल में समाज की उन्नति के लिए पुरुषार्थ की अवधारणा विकसित की गयी। पुरुषार्थों का सही क्रम - धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष है।

48. ऋग्वेद के सर्वाधिक मंत्र किस वैदिक देवता को समर्पित है?

(a) अग्नि (b) इन्द्र (c) वरुण (d) आदित्य

UKPSC (Pre) 2021

Ans. (b) : ऋग्वेद के एक चौथाई मंत्र वैदिक देवता इन्द्र को समर्पित है। समस्त देव समूह में इन्द्र, वरुण तथा अग्नि का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। इन्द्र को विश्व का स्वामी कहा गया है इन्द्र पर 250 सूक्त हैं। इन्द्र को युद्ध का देवता माना जाता था।

49. वैदिक देवमंडल में निम्न में से कौन देवता युद्ध का देवता माना जाता है?

(a) वरुण (b) इन्द्र (c) मित्र (d) अग्नि

UKPSC (Pre) 2016

Ans. (b) : वैदिक देवमंडल में इन्द्र को युद्ध का देवता माना जाता है इन्हें 'पुरन्दर' भी कहा गया है। पुरन्दर का अर्थ 'किला तोड़ने वाला' होता है। इन्द्र के लिए ऋग्वेद में 250 सूक्त है।

- ♦ ऋग्वेद का दूसरा महत्वपूर्ण देवता अग्नि है, इनकी स्तुति के लिए ऋग्वेद में 200 सूक्त मिलते हैं। वैदिक काल में अग्नि देवताओं व मनुष्यों के मध्य मध्यस्थ था।
- ♦ वरूण को विश्व के नियामक और सत्य का प्रतीक माना गया है। वरुण ऋतु के संरक्षक थे इसलिए इन्हें ऋतस्यगोप भी कहा जाता है।
- ♦ मित्र और वरुण कश्यप ऋषि की पत्नी अदिति के पुत्र थे। अधिकांश पुराणों में 'मित्रावरुण' शब्द का ही उल्लेख है। मित्र सूर्योदय और दिवस से संबद्ध थे।

50. किस वैदिक ग्रंथ में 'वर्ण' शब्द का सर्वप्रथम नामोल्लेख मिलता है?

(a) ऋग्वेद (b)अथर्ववेद (c) सामवेद (d) यजुर्वेद

UKPSC UDA/LDA (Pre) 2006
UK Group-C 2015, UKPSC (Pre) 2014-15

Ans. (a) : वर्ण शब्द का सर्वप्रथम उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है। मुख्य रूप से वर्ण चार प्रकार के होते हैं – ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र। यह वर्णन ऋग्वेद के दसवें मण्डल के पुरुष सूक्त में मिलता है। इस समय वर्णो में जटिलता नहीं आयी थी और वर्ण जन्मजात न होकर व्यवसाय पर आधारित होते थे। व्यवसाय परिवर्तन सम्भव था परन्तु उत्तर वैदिक काल में इस व्यवस्था में कठोरता आयी।

51. निम्नलिखित में से कौन सा वेद सबसे प्राचीन है?

(a) सामदेव (b) यजुर्वेद (c) ऋग्वेद (d) अथर्ववेद

UKPSC (Pre) 2009-10

Ans. (c) : ऋग्वेद आर्यो का सबसे प्राचीनतम ग्रन्थ है इसमें 10 मण्डल, 1028 शूक्त एवं 10462 ऋचाएं है। इनको पढ़ने वाले ऋषियो को होतृ/होता कहते हैं। इसके माध्यम से आर्यों के राजनीतिक/सामाजिक इतिहास के बारे में जानकारी मिलती है।

52. 'सत्यमेव जयते' शब्द किस उपनिषद् से लिए गए हैं?

(a) मुण्डक उपनिषद् (b) कठोपनिषद्
(c) ईशोपनिषद् (d) बृहदारण्यक उपनिषद्

UK Power Corpo. 2012, UKPSC (Pre) 2004-05, UKPSC AE 2012

Ans. (a) : 'सत्यमेव जयते' सूत्र वाक्य मुण्डकोपनिषद से लिया गया है। इसका अर्थ है कि 'सत्य की ही सदैव विजय होती है।' भारत का राजचिन्ह सम्राट अशोक द्वारा सारनाथ में स्थापित सिंह स्तम्भ से लिया गया है। भारत सरकार द्वारा यह चिन्ह 26 जनवरी, 1950 को अपनाया गया। इस राजचिन्ह के मूल स्तम्भ में शीर्ष पर चार सिंह है, जो एक दूसरे के विपरीत दिशा में घूम कर बैठे है, जिनमें चार में से केवल तीन सिंह ही दिखाई देते है। यह सम्पूर्ण सिंह स्तम्भ एक ही पत्थर को काटकर बनाया गया है। फलक के नीचे मुण्डकोपनिषद से उद्धत सूत्र वाक्य 'सत्यमेव जयते' देवनागरी लिपि में लिखा गया है।

53. निम्न चार वेद में से किसमें जादुई माया, चिकित्सा, वशीकरण एवं ब्रह्मा तत्व का वर्णन है-

(a) ऋग्वेद (b) यजुर्वेद (c) अथर्ववेद (d) सामवेद

UKPSC AE 2007
UK Police Constable 19/10/2014

Ans. (c) : अथर्ववेद चार वेदों में से एक है, इसमें जादुई माया, चिकित्सा, वशीकरण एवं ब्रह्म तत्व का वर्णन है। इस वेद की रचना अथर्वा ऋषि ने की थी।

54. किस वेद में 8 चक्रों का वर्णन है?

(a) ऋग्वेद (b) अथर्ववेद (c) सामवेद (d) यजुर्वेद

UK Sport Assistant 19/05/2019

Ans. (b) : आठ चक्रों का वर्णन 'अथर्ववेद' से प्राप्त होता है। ये आठ चक्र हैं-मूलाधार चक्र, स्वाधिष्ठान चक्र, मणिपूरक चक्र, अनाहत चक्र, विशुद्धि चक्र, ललना चक्र, आज्ञा चक्र, सहस्त्रार चक्र।
उपनिषद में भी चक्रों के विषय में वर्णन किया गया है।

55. 'आर्यो का आदि निवास मध्य हिमालय' के लेखक कौन हैं–

(a) मुकुन्दीलाल (b) शिव प्रसाद डबराल
(c) भजनसिंह 'सिंह' (d) शेखर पाठक

UK Jr.Asst./Computer opreatar 09/01/2017

Ans. (c) : आर्यों का आदि निवास मध्य हिमालय के लेखक भजन सिंह 'सिंह' हैं। यह एक गढ़वाली कवि एवं साहित्यकार थे।

56. किस वेद में सर्वप्रथम वर्णो की उत्पत्ति का उल्लेख किया गया –

(a) यजुर्वेद (b) सामवेद (c) अथर्ववेद (d) ऋग्वेद

UK Social Welfare Officer 21/06/2017

Ans. (d) : ऋग्वेद के 10वें मण्डल के पुरुषसूक्त में सर्वप्रथम वर्णों की उत्पत्ति का उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है कि ब्राह्मण परम पुरुष के मुख से, क्षत्रिय उनकी भुजाओं, वैश्य उनकी जांघों से एवं शूद्र उनके पैरों से उत्पत्ति हुई है।

57. किस पुराण में हरिद्वार का नाम 'मायापुरी' मिलता है–

(a) अग्नि पुराण (b) विष्णु पुराण
(c) स्कन्द पुराण (d) नारद पुराण

UK Jr. Assistant/DEO 06/05/2018

Ans. (c): स्कन्द पुराण में हरिद्वार का नाम 'मायापुरी' मिलता है। यह पुराण सबसे बड़ा पुराण है। भगवान स्कन्द के द्वारा कथित होने के कारण इसका नाम स्कन्दपुराण है। इसमें बद्रिकाश्रम, अयोध्या, जगन्नाथपुरी, रामेश्वर, कन्याकुमारी, द्वारका, काशी शाकम्भरी, कांची आदि तीर्थों का वर्णन है। इसमें शिवरात्रि, सत्यनारायण आदि व्रत कथाएँ अत्यन्त रोचक शैली में हैं।

58. ऋग्वैदिक देवता जिसका उल्लेख अवेस्ता में नहीं है-

(a) इन्द्र (b) वरूण
(c) अग्नि (d) इनमें से कोई नहीं

UK Personal Asst. (Diagram writing) 25/02/2014

Ans. (c) : ऋग्वैदिक काल के देवता अग्नि जिनका उल्लेख 'अवेस्ता' में नहीं हुआ है। ऋग्वेद में अग्नि देवता का उल्लेख 200 बार किया गया है तथा इनकी दूसरा प्रमुख देवता माना गया है। अवेस्ता में ऋग्वेद के चार देवताओं इन्द्र, मित्र, वरूण और नात्सय का उल्लेख है।

59. प्रसिद्ध दशराज्ञ (दस राजाओं का युद्ध) का उल्लेख है–

(a) ऋग्वेद में (b) यजुर्वेद में
(c) सामवेद में (d) इनमें कोई नहीं

UK Asst Teacher (Gen) 08/08/2021
UK High Court 25/06/2012

Ans. (a) : दशराज्ञ युद्ध का उल्लेख ऋग्वेद के 7वें मण्डल में है। यह युद्ध परूष्णी (रावी) नदी के तट पर भरत जन के राजा सुदास एवं दस जनों के मध्य लड़ा गया। जिसमें राजा सुदास की विजय हुई।

60. किस देवी/देवता को गायत्री मन्त्र समर्पित है–

(a) इन्द्र (b) सावित्री (c) विष्णु (d) मित्र

UK High Court 25/06/2012

Ans. (b) : ऋग्वेद के तीसरे मण्डल में गायत्री मंत्र का उल्लेख है। यह सावित्री जो कि सूर्य का रूप हैं को समर्पित है। गायत्री मंत्र को महर्षि विश्वामित्र ने रचा था। गायत्री मंत्र को सूर्य देवता का सम्मान करने वाला बताया गया है।

61. निम्न में से, किस पुस्तक में राजस्व की उत्पत्ति संबंधी सिद्धांत का विवरण मिलता है?

(a) ऋग्वेद (b) यजुर्वेद (c) सामवेद (d) ऐतरेय ब्राह्मण

UK Asst. Teacher (Gen) 08/08/2021

Ans. (d) : ऐतरेय ब्राह्मण एक प्राचीन भारतीय ग्रन्थ है, जो ऋग्वेद पर आधारित है। इसमें राजस्व की उत्पत्ति के बारे में एक महत्वपूर्ण सिद्धान्त का वर्णन किया गया है। इस सिद्धान्त के अनुसार राजा को उसके शासन के लिए जनता से कर वसूलने का अधिकार है क्योंकि वह उनकी रक्षा करता है और उन्हें विभिन्न सेवाएँ प्रदान करता है।

62. निम्नलिखित में से किस पुराण में हेमकुण्ड का वर्णन है?

(a) अग्नि पुराण (b) भागवत पुराण
(c) वराह पुराण (d) स्कन्द पुराण

UK Machine Helper 09/06/2019

Ans. (d) : स्कन्दपुराण में हेमकुण्ड का विस्तृत वर्णन मिलता है। इसमें झील की उत्पत्ति और दसवें सिख गुरु, गुरू गोविन्द सिंह के साथ जुड़ाव का उल्लेख है।

63. निम्नलिखित में से किस उपनिषद का संबंध अथर्ववेद से नहीं है ?

(a) प्रश्न (b) कठ (c) मुण्डक (d) माण्डूक्य

UK ADO Exam 28/01/2018

Ans. (b) : कठ उपनिषद का सम्बन्ध अथर्ववेद से न होकर यजुर्वेद से है। प्रश्न उपनिषद, माण्डूक्य उपनिषद तथा मुण्डकोपनिषद का सम्बन्ध अथर्ववेद से है।

64. प्रसिद्ध सूक्ति तत्वमसि निम्न में से किस एक उपनिषद् से मिलती है –

(a) छान्दोग्य (b) मुण्डक (c) माण्डूक्य (d) ईशावास्य

UK High Court 25/06/2012

Ans. (a) : प्रसिद्ध सूक्ति तत्वमसि छान्दोग्य उपनिषद के छठे अध्याय से उद्धृत है, जिसका आशय 'तू ही वह ब्रह्म है' छान्दोग्य उपनिषद सामवेद से सम्बन्धित है।

65. निम्नलिखित में से कौन सा सबसे पुराना पुराण है–

(a) भागवत पुराण (b) महाभारत
(c) विष्णु पुराण (d) मत्स्य पुराण

UK High Court Clerk 08/02/2015

Ans. (d) : सबसे पुराना पुराण मत्स्य पुराण है। पुराणों की संख्या 18 है। मत्स्य पुराण भगवान श्री हरि के मत्स्य अवतार से सम्बन्धित है।

66. निम्नलिखित में से कौन सा वैदिक साहित्य का भाग नहीं है–

(a) ब्राह्मण (b) आरण्यक (c) उपनिषद् (d) भगवद्गीता

UK High Court Clerk 08/02/2015

Ans. (d) : वैदिक साहित्य, वैदिक काल से सम्बन्धित ग्रंथों को कहा जाता है जिसमें मुख्य रूप से वेद, उपनिषद, आरण्यक एवं ब्राह्मण ग्रंथ आते हैं। श्रीमद्भगवतगीता वैदिक साहित्य नहीं है।

67. उपनिषदों की संख्या कितनी है-

(a) 106 (b) 108 (c) 110 (d) 112

UK Group-C Exam 2015

Ans. (b) : उपनिषद, वेदों से सम्बन्धित साहित्य है इनकी ज्ञात संख्या 108 है। उपनिषदों में हिन्दू धर्म से सम्बन्धित विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई है।

68. उत्तर वैदिक काल में 'मंत्री' को जाना जाता थाः

(a)रत्निन (b) आमात्य (c) मंत्री (d) प्रधान

UK LT General 21/01/2018

Ans. (a) : उत्तर वैदिक काल में राजा की सहायता हेतु उच्च अधिकारी होते थे, जो कि राजा की परिषद का हिस्सा होते थे, इन्हें 'रत्निन' कहा जाता था, जो कि वर्तमान के मंत्री पद के समकक्ष होते थे।

महाकाव्य काल

69. 'साख्य दर्शन' किसके द्वारा प्रतिपादित किया गया?

(a)चरक (b) कपिल (c) पतंजलि (d) कौटिल्य

UKPSC Combined SES Exam-2021

Ans. (b) : सांख्य दर्शन कपिल मुनि द्वारा प्रतिपादित किया गया है। सांख्य दर्शन के प्रणेता के रूप में कपिल का नाम श्रुति, महाभारत और भागवत से प्राप्त होता है।

70. भारतीय दर्शन की आस्तिक परम्परा में निम्नलिखित में से कौन नहीं है?

(a)योग (b) न्याय (c) वेदान्त (d) लोकायत

UKSSSC Havaldar Exam- 17.05.2025

Ans. (d) : दिए गए विकल्पों में 'लोकायत' भारतीय दर्शन की आस्तिक परम्परा से नहीं है, जबकि योग, न्याय, वेदान्त, सांख्य, वैशेषिक और मीमांसा आस्तिक परम्परा (जो वेदों को प्रमाण मानते हैं) से है। लोकायत, एक प्राचीन भारतीय भौतिकवादी दर्शन है जो इंद्रिय-आधारित अनुभव और प्रत्यक्ष प्रमाण पर आधारित है।

71. योग के आविष्कार थे-

(a) आर्यभट्ट (b) चरक (c) पतंजलि (d) रामदेव

UKPSC UDA/LDA (Pre) 2006

Ans. (c) : शुंग कालीन प्रसिद्ध विद्वान तथा दार्शनिक जिन्होंने योग पर 'पतंजलि योग' नामक पुस्तक लिखी और योग का सूत्र वाक्य दिया 'योगस्य चित्तवृत्त निरोधः'। पतंजलि पुष्यमित्र शुंग के पुरोहित थे। इन्होंने पाणिनि के व्याकरण पर भाष्य भी लिखा। योग विद्या में शिव को 'आदि योगी' तथा 'आदि गुरू' माना जाता है। भगवान शंकर के बाद वैदिक ऋषि मुनियो से ही योग का प्रारम्भ माना जाता है।

72. मीमांसा के प्रणेता थे-

(a) कणाद (b) वशिष्ठ (c) विश्वामित्र (d) जैमिनी

UKPSC UDA/LDA (Pre) 2006

Ans. (d) : मीमांसा के प्रवर्तक आचार्य जैमिनी थे उन्होंने मीमांसा सूत्रों की रचना की। इसे पूर्व मीमांसा सूत्र भी कहते हैं। इसका रचनाकाल 300 ईसा पूर्व से 200 ईसा पूर्व माना जाता है। उन पर शबर मुनि ने भाष्य लिखा। शाबर-भाष्य पर आचार्य कुमारिल भट्ट और प्रभाकर भट्ट ने व्याख्याएं लिखीं। कुमारिल भट्ट ने बौद्धों के मत का खण्डन कर वेदों की प्रामाणिकता का पुनरुद्धार करने का प्रयत्न किया। परम्परानुसार ऋषि जैमिनी को महर्षि वेद व्यास का शिष्य माना जाता है।

73. न्याय दर्शन के संस्थापक थे?

(a) कपिल (b) कणाद (c) गौतम (d) जेमिनी

UKPSC (Pre) 2016

Ans. (c) :न्याय दर्शन के संस्थापक गौतम थे। जिनका न्यायसूत्र इस दर्शन का सबसे प्राचीन एवं प्रसिद्ध ग्रन्थ है। जिन साधनों में हमें ज्ञेय तत्वों का ज्ञान प्राप्त हो जाता है उन्हीं साधनों को 'न्याय' की संज्ञा दी गई है। प्राचीन काल में वात्स्यायन मुनि ने, मध्यकाल में वाचस्पति मिश्र और आधुनिक काल में उदयवीर शास्त्री ने इन पर भाष्य (टिप्पणी) लिखे हैं। सांख्य दर्शन-कपिल,वैशेषिक दर्शन-कणाद, पूर्व मीमांसा-जैमिनि द्वारा स्थापित है।

74. निम्न को सुमेलित कीजिए–

सूची-I (विचारधारा)	सूची-II (व्यक्ति)
A. मीमांसा	1. अक्षपाद गौतम
B. न्याय	2. ईश्वराकृष्ण
C. सांख्य	3. जैमिनि
D. वैशेषिक	4. उलुका कणाद

कूट –

	A	B	C	D
(a)	3	1	2	4
(b)	2	4	3	1
(c)	5	1	2	3
(d)	3	4	1	5

UK Asst. Accountant (Shift-I) 17/01/2016

Ans. (a) :

सूची-I	सूची-II
विचारधारा	व्यक्ति
मीमांसा	जैमिनी
न्याय	अक्षपाद गौतम
सांख्य	ईश्वराकृष्ण
वैशेषिक	ऋषि कणाद

75. 'योगः कर्मसु कौशलम' का सही संदर्भ हैः

(a) भगवद्गीता 2/46 (b) भगवद्गीता 2/48
(c) भगवद्गीता 2/50 (d) भगवद्गीता 6/23

UK Sport Assistant 19/05/2019

Ans. (c) : 'योगः कर्मसु कौशलम' का सही सन्दर्भ भगवदगीता के दुसरे अध्याय के 50वें श्लोक (2/50) से है। इसका अर्थ है कि योग से कर्मों में कुशलता आती है। योग शब्द का अर्थ 'एक्य' या 'एकत्व' होता है जो संस्कृत धातु 'युज' से निर्मित है।

76. भगवद्गीता के किस अध्याय को कर्मयोग कहा जाता है?

(a)दूसरा (b) तीसरा (c) चौथा (d) छठा

UK Sport Assistant 19/05/2019

Ans. (b) : भगवद्गीता के तीसरे अध्याय को कर्मयोग कहा जाता है। इस अध्याय में निष्काम कर्म पर जोर दिया गया है तथा इसमें कुल 43 श्लोक हैं।

77. 'श्रीमद् भागवद् गीता' मौलिक रूप में किस भाषा में लिखी गयी थी?

(a) संस्कृत (b) उर्दू (c) पाली (d) हिन्दी

UK Police Const. (W) 10/07/2016
UK Lab Asst. Cortographer 21/02/2016
UKPSC UDA/LDA (Pre) 2006

Ans. (a) : श्रीमद् गीता मौलिक रूप संस्कृत भाषा में लिखी गयी है। मूल रूप से महाभारत युद्ध आरम्भ होने के ठीक पहले भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो उपदेश दिया है वह श्रीमद्भगवद्गीता के नाम से प्रसिद्ध है। यह महारभारत के भीष्म पर्व का अंग है। गीता में 18 अध्याय और 700 श्लोक है। यह संस्कृत भाषा में लिखी गयी है। यह कर्म योग की विश्व प्रसिद्ध पुस्तक है जिसका विश्व की अनेक भाषाओं में अनुवाद हो चुका है।

78. महाभारत में कुणिन्द नरेश किस नाम से जाने जाते थे?

(a)सर्वश्रेष्ठ (b) मध्यम (c) द्विज श्रेष्ठ (d) द्विज

UKPSC (Pre) 2016

Ans. (c) : महाभारत काल में कुणिन्द नरेश को 'द्विज श्रेष्ठ' के नाम से जाना जाता था। महाभारत के अनुसार कणिद शैलोदा के दोनों तटों पर निवास करते थे। इनका प्रदेश काफी विस्तृत था। महाभारत के सभा पर्व, आरण्यक पर्व एवं भीष्म पर्व में कणिंद राजवंश के राजा सुबाहु का उल्लेख मिलता है।

79. 'रामचरित मानस' नामक ग्रंथ के रचयिता थे-

(a) तुलसीदास (b) वाल्मीकि (c) सूरदास (d) वेद व्यास

UKPSC UDA/LDA (Pre) 2006

Ans. (a) : सात काण्डों में विभाजित रामचरित मानस अवधी भाषा का उत्कृष्ट ग्रन्थ है इसकी रचना संवत् 1631 में रामनवमी के दिन (मंगलवार) को अयोध्या में प्रारम्भ हुई। इसे पूरा करने में 2 वर्ष 7 माह लगे। यह दोहा चौपाई शैली में लिखा गया है। इसमें 10,902 श्लोक है।

80. 'नलदमयन्ती ताल' किस जनपद में स्थित है?

(a) नैनीताल (b) अल्मोड़ा (c) पौड़ी (d) उत्तरकाशी

UK Jr.Asst./Computer opreatar 09/01/2017

Ans. (a) : 'नलदमयन्ती ताल' उत्तराखण्ड के नैनीताल जिले में स्थित है। नल दमयंती की कथा पौराणिक तथा महाकाव्य काल से सम्बन्धित है।

बौद्ध, जैन, भागवत एवं शैव धर्म

81. निम्नलिखित में से किस बौद्ध ग्रंथ में 16 बड़े क्षेत्रीय राजव्यवस्था (16 महाजनपद) सूचीबद्ध हैं?

(a) दीघनिकाय (b) मज्झीमनिकाय
(c) अंगुत्तरनिकाय (d) खुदद्कनिकाय

UKPSC RO/ARO (Mains) 2023

Ans.(c) : अंगुत्तर निकाय, बौद्ध धर्म का एक ग्रंथ है। इसमें गौतमबुद्ध और उनके प्रमुख शिष्यों के उपदेश संग्रहित है। इसमें 16 महाजनपदों का उल्लेख है।

82. महायान दर्शन मत ''योगाचार'' के संस्थापक कौन थे?

(a) वसुबंधु (b) नागार्जुन (c) कपिल (d) मैत्रैयनाथ

UKPSC RO/ARO (Mains) 2023

Ans.(d) : योगाचार के संस्थापक मैत्रेय या मैत्रैयनाथ थे। योगाचार बौद्ध दर्शन और मनोविज्ञान की एक प्रमुख शाखा है। यह भारतीय महायान की उपशाखा है।

83. निम्नलिखित में से कौन जैनधर्म के त्रिरत्न का भाग है?

I. सम्यक दर्शन
II. सम्यक ज्ञान
III. सम्यक चरित्र
IV. सम्यक वाणी

(a) केवल I, II एवं III (b) केवल I, II एवं IV
(c) केवल II, III एवं IV (d) सभी I, II, III एवं IV

UKPSC RO/ARO (Mains) 2023

Ans.(a) : जैन धर्म के त्रिरत्न हैं- सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक आचरण (चरित्र), अतः विकल्प I, II और III सही है।

84. महायान दर्शन मत ''योगाचार'' के संस्थापक कौन थे?

(a) वसुबंधु (b) नागार्जुन (c) कपिल (d) मैत्रैयनाथ

UKPSC RO/ARO (Mains) 2023

Ans.(d) : योगाचार के संस्थापक मैत्रेय या मैत्रैयनाथ थे। योगाचार बौद्ध दर्शन और मनोविज्ञान की एक प्रमुख शाखा है। यह भारतीय महायान की उपशाखा है।

85. आजीवक सम्प्रदाय की स्थापना किसने की?

(a) मक्खलि गोशाल (b) वासुबंधु
(c) उपगुप्त (d) दिग्नाग

UK PSC (Pre) 2024

Ans. (a) : आजीवक संप्रदाय की स्थापना 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व मक्खलि गोशाल ने की थी। आजीवक संप्रदाय नियतिवाद या भाग्यवादी सिद्धांत पर आधारित था। आजीवक संप्रदाय पौरुष कर्म और उत्थान की अपेक्षा भाग्य या नियति को अधिक बलवान मानते थे। इनका मनाना था कि ''जो नहीं होना है वह नहीं होगा, जो होना है वह कोशिश के बिना भी हो जायेगा।

86. तृतीय बौद्ध संगीति किसके शासनकाल में आयोजित की गयी?

(a) अशोक (b) कालाशोक (c)कनिष्क (d) अजातशत्रु

UKPSC Revenue Inspector-2023
UKPSC RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (a) : तृतीय बौद्ध संगीति अशोक के शासनकाल में पाटलिपुत्र में 251 ई.पू. में आयोजित की गई थी। इसकी अध्यक्षता मोग्गलिपुत्ततिस्स द्वारा की गई। इसके अलावा प्रथम बौद्ध संगीति राजगृह में अजातशत्रु के शासनकाल में (अध्यक्ष- महाकस्सप), द्वितीय बौद्ध संगीति वैशाली में कालाशोक के शासनकाल में (अध्यक्ष-सब्बकामी) तथा चतुर्थ बौद्ध संगीति कश्मीर के कुण्डलवन में कनिष्क के शासनकाल (अध्यक्ष-वसुमित्र) में सम्पन्न हुई।

87. तृतीय बौद्ध संगीति किसकी अध्यक्षता में हुई थी?
(a) नागार्जुन (b) वसुबन्धु
(c) मोग्गलिपुत्त तिस्स (d) अशोक
UKSSSC EO (GS) 2024

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

88. निम्नलिखित में से कौन सा स्थल बौद्ध धर्म से सम्बन्धित नहीं था?
(a) श्रवणबेलगोला (b) लुम्बिनी
(c) सारनाथ (d) कुशीनगर
UKPSC CFO Exam-2021

Ans. (a) : श्रवण बेलगोला दक्षिण कर्नाटक में स्थित महत्त्वपूर्ण जैन तीर्थस्थल है। यहाँ पर भगवान गोमतेश्वर की 18 मीटर ऊँची मूर्ति है। वर्ष 981 में चामुंडराव द्वारा बनवाया गया है। लुम्बिनी, सारनाथ और कुशीनगर बौद्ध धर्म से सम्बन्धित स्थल हैं।

89. द्वितीय बौद्ध संगीति आयोजित हुई
(a) वैशाली (b) उज्जैन (c) पाटलिपुत्र (d) कन्नौज
UK PSC APO 2015

Ans. (a) : द्वितीय बौद्ध संगीति सुबुकामी की अध्यक्षता का आयोजन कालाशोक के संरक्षण में वैशाली में 383 ई.पू. में हुआ था। इसी बौद्ध संगीति में बौद्ध धर्म के अनुयायी दो भागों (महासंधिक या सर्वास्तिवादी और स्थविर या थेरवादी) में विभाजित हो गये थे।

90. कनिष्क बौद्ध धर्म की किस शाखा का अनुयायी था?
(a) हीनयान (b) महायान
(c) वज्रायन (d) उपरोक्त में से कोई नहीं
UK PSC APO 2015

Ans. (b) : कनिष्क बौद्ध धर्म के महायान शाखा का अनुयायी था। वह कुषाण राजवंश का शासक था, मध्य एशिया के साथ भारत का घनिष्टतम संबंध कुषाणकाल में ही स्थापित हुआ, उसने महायान शाखा के साथ जुड़कर मध्य एशिया में अनेक बिहार, स्तूप व मूर्तियों का निर्माण करवाया।

91. गौतम बुद्ध को किस स्थान पर ज्ञान की प्राप्ति हुई?
(a) गया (b) लुम्बिनी
(c) सारनाथ (d) कुशीनगर
UKPSC APO 2015, UK PSC APS (Mains) 2021

Ans. (a) : गौतम बुद्ध को बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। जिस दिन गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई, उस दिन को बुद्ध पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। गौतम बुद्ध का वास्तविक नाम सिद्धार्थ था। इनका जन्म 563 ई.पू. और महापरिनिर्वाण 483 ईसा पूर्व में हुआ था। सिद्धार्थ ने 29 वर्ष की आयु में घर छोड़ दिया था, इस त्याग को बौद्ध धर्म में "महाभिनिष्क्रमण के रूप में जाना जाता है।

92. जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे
(a) ऋषभदेव (b) नेमिनाथ
(c) पार्श्वनाथ (d) महावीर स्वामी
UK PSC APS (Mains) 2017

Ans. (d) : महावीर स्वामी, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे। महावीर स्वामी का जन्म 540 ईसा पूर्व में वज्जि साम्राज्य में कुंडग्राम के राजा सिद्धार्थ (पिता) और लिच्छवी राजकुमारी त्रिशला (माता) के यहाँ हुआ था। इनके बचपन का नाम वर्धमान था। 30 वर्ष की आयु में गृहत्याग तथा 42 वर्ष की आयु में कैवल्य यानी सर्वज्ञान की प्राप्ति हुई। इनकी मृत्यु 468 ई.पू. पावापुरी (राजगीर) में हुई।

93. 'श्रवणबेलगोला' सम्बन्धित है
(a) बौद्ध धर्म (b) आजीवक
(c) जैन धर्म (d) शैव धर्म
UK PSC AE 2012

Ans. (c) : श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) जैन धर्म से सम्बन्धित है। इसका संबंध चन्द्रगुप्त मौर्य से है। जैन परम्परा के अनुसार अपने जीवन के अन्तिम दिनों में चन्द्रगुप्त मौर्य जैन हो गया तथा भद्रबाहु की शिष्यता ग्रहण कर ली। अपने पुत्र के पक्ष में सिंहासन त्याग कर वे भद्रबाहु के साथ श्रवणबेलगोला में तपस्या करने चला गया। इसी स्थान पर 298 ई0पू0 लगभग इनकी मृत्यु हो गई।

94. गौतम बुद्ध ने कुशीनगर में अपना अंतिम उपदेश किसे दिया था?
(a) सुभद्द (b) आनन्द (c) सारिपुत्र (d) उपालि
UKPSC Polytechnic Lecturer 2015-16

Ans. (a) : गौतम बुद्ध ने अपना अन्तिम उपदेश कुशीनारा (कुशीनगर) के परिव्राजक सुभद्द को दिया था। महात्मा बुद्ध की मृत्यु 483 ई. में 80 वर्ष की अवस्था में कुशीनारा में हुआ था।

95. जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर थे:-
(a) महावीर (b) पार्श्वनाथ (c) ऋशभ देव (d) नेमिनाथ
UK Power corpo. LTD. 2012
UK PSC AE 2013

Ans. (c) : जैन धर्म के संस्थापक ऋषभ देव थे, जैन परम्परा के अनुसार इस धर्म में 24 तीर्थकर हुए, जिसमें ऋषभदेव प्रथम तीर्थकर थे। ऋषभ देव को आदिनाथ के नाम से भी जाना जाता है, तथा इन्हें बाद की परम्परा में स्वयं भगवान शंकर का अवतार भी कहा जाता है। ऋग्वेद में केवल दो तीर्थकरों ऋषभदेव तथा अरिष्टनेमि का उल्लेख मिलता है।

96. कौन सा दर्शन महायान बौद्ध धर्म से सम्बन्धित है?
(a) वैभाशिक (b) सौत्रान्त्रिक (c) शून्यवाद (d) स्याद वाद
UK PSC AE 2013

Ans. (c) : शून्यवाद दर्शन महायान के बौद्ध धर्म से सम्बन्धित है। शून्यवाद के प्रवर्तक नागार्जुन है। महायान की स्थापना नागार्जुन ने की थी। महायान का आदर्श बोधिसत्व कालान्तर में दो भागों में बंट गया। शून्यवाद (माध्यमिक) तथा विज्ञानवाद (योगाचर)।

97. महावीर का जन्म कहाँ हुआ था?
(a) पावापुरी (b) गया (c) लुम्बिनी (d) वैशाली
UKPSC Constable Exam-2021

Ans. (d) : जैनियों के 24वें तीर्थंकर महावीर का जन्म वैशाली के निकट ग्राम कुण्डाग्राम के ज्ञातृक कुल के प्रधान के यहाँ 540 ई.पू. में हुआ था। इनकी माना का नाम त्रिशला तथा पिता का नाम सिद्धार्थ था।

98. बौद्ध धर्म में "त्रिरत्न" क्या इंगित करता है?
(a) सत्य, अहिंसा, दया (b) प्रेम, करुणा, क्षमा
(c) बुद्ध, धम्म, संघ
(d) विनय पिटक, सुत्त पिटक, अभिधम्म पिटक
UK High Court Steno 08/02/2015
UKPSC Lower (Pre) 2016

Ans. (c) : त्रिरत्न (तीन रत्न) बौद्ध धर्म के सबसे महत्वपूर्ण अंग है। इन त्रिरत्नों पर ही बौद्ध धर्म के सिद्धांत आधारित है। त्रिरत्न–बुद्ध,धम्म, संघ।
- ♦ **बुद्ध-** बुद्ध का अर्थ है- जागृत एवं अनंत ज्ञानी मनुष्य, जिसने खुद के प्रयासों से बुद्धत्व प्राप्त किया। बुद्ध, शाक्यमुनि, तथागत, गौतम बुद्ध के ही अनेक नाम है।
- ♦ **धम्म-** बुद्ध की शिक्षाओं को 'धम्म' कहते हैं। संपूर्ण बौद्ध धर्म 'धम्म' पर आधारित हैं।
- ♦ **संघ-** बौद्ध धर्म में बौद्ध भिक्षुओं और उपासकों के संघटन को संघ कहते हैं। धम्म प्रचार के लिए संघ का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

99. गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश किस स्थान पर दिया?
(a) सारनाथ (b) बोधगया
(c) कुशीनगर (d) राजगृह
UKPSC RO/ARO (Pre) 2021

Ans.. (a) : गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया था। इस घटना को धर्मचक्रप्रवर्तन कहा गया। गौतम बुद्ध का जन्म 563 ई.पू. में कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी ग्राम में हुआ था। 29 वर्ष की अवस्था में इन्होंने गृह त्याग दिया। बौद्ध ग्रंथों मे इस घटना को महाभिनिष्क्रमण कहा गया। 528 ईसा पूर्व बैशाख माह की पूर्णिमा को ही बोधगया में एक वृक्ष के नीचे इन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई।

100. नागार्जुन किस बौद्ध सम्प्रदाय के थे?
(a) सौत्रान्तिक (b) वैभाषिक
(c) माध्यमिक (d) योगाचार
UKPSC UDA/LDA (Mains) 2006

Ans. (c) : माध्यमिक (शून्यवाद) के प्रवर्तक नागार्जुन हैं जिसकी प्रसिद्ध रचना 'माध्यमिककारिका' है इसे सापेक्षवाद भी कहा जाता है। जिसके अनुसार प्रत्येक वस्तु किसी–न–किसी कारण से उत्पन्न हुई है और वह उस पर निर्भर है। नागार्जुन ने 'प्रतीत्यसमुत्पाद' को ही शून्यता कहा है। इस मत में महात्मा बुद्ध द्वारा प्रतिपादित मध्यम– मार्ग को विकसित किया गया है।

101. निम्नलिखित मंदिरों में से कौन सा बारह ज्योतिर्लिंगों में सम्मिलित है?
(a) बागनाथ (b) तुंगनाथ
(c) कल्पेश्वर (d) केदारनाथ
UKPSC UDA/LDA (Pre) 2006

Ans. (d) : भारत के विभिन्न प्रदेशों में शिव के 12 ज्योतिर्लिंग प्रकट हुए थे जो इस प्रकार हैं—(1) ओंकारेश्वर खण्डवा, (2) श्री महाकालेश्वर उज्जैन (दोनों मध्यप्रदेश), (3) श्री मल्लिकार्जुन आन्ध्रप्रदेश, (4) सोमनाथ—गुजरात, (5) श्री त्र्यंवकेश्वर, (6) भीम शंकर (दोनों महाराष्ट्र में), (7) श्री विश्वेश्वर, काशी विश्वनाथ को कहा जाता है यह उत्तर प्रदेश में है, (8) केदारनाथ (रुद्र प्रयाग जनपद में स्थित) यह स्थान उत्तराखण्ड में है, (9) श्री घुश्मेश्वरनाथ यह ज्योतिर्लिंग भी महाराष्ट्र के दौलाताबाद जनपद में स्थित है, (10) श्री रामेश्वरम् नामक ज्योतिर्लिंग तमिलनाडु के चेन्नई में स्थित है, (11) श्रीनागेश्वरनाथ नामक शिवलिंग सौराष्ट्र के द्वारका जनपद में स्थित है, (12) श्री बैजनाथ नामक ज्योतिर्लिंग देवघर, झारखण्ड में स्थित है।

102. चतुर्थ बौद्ध संगीति जिसके राज्यकाल में हुई थी, वह है–
(a) अशोक (b) पुष्यमित्र शुंग
(c) कनिष्क (d) हर्ष
UKPSC (Mains) 2010-11

Ans. (c) : प्रथम शताब्दी ई. में कनिष्क के शासनकाल में, कश्मीर के कुण्डलवन में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ था। जिसके अध्यक्ष वसुमित्र तथा उपाध्यक्ष अश्वघोष थे। इसी संगीति में बौद्ध धर्म दो सम्प्रदायों हीनयान और महायान में विभक्त हो गया था।

103. निम्न स्थानों में से बौद्ध गुफा मंदिरों के लिए कौन सा प्रसिद्ध है?
(a) एलीफेन्टा (b) नालन्दा
(c) अजन्ता (d) खजुराहो
UKPSC (Mains) 2006

Ans. (c) : अजन्ता की गुफाएँ महाराष्ट्र में औरंगाबाद से 104 किमी. उत्तर-पूर्व में स्थित हैं। ये बाछोरा नदी घाटी में ऊँची शैलमाला के बीच, एक विस्तृत पहाड़ी के पार्श्व में 30 गुफाएँ काटकर बनायी गयी है, इनका समय दूसरी सदी ई.पू. से सातवीं सदी ई. तक है। यह गुफाएं बौद्ध मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। इसके सभी चित्रों के विषय गौतम बुद्ध या बोधिसत्वों की जीवन कथाओं से जुड़े हुए हैं।

104. भागवत धर्म का ज्ञात सर्वप्रथम अभिलेखीय साक्ष्य है –
(a) समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति
(b) गौतमी बलश्री का नासिक अभिलेख
(c) बेसनगर का गरुड़ स्तम्भ
(d) धनवेद का अयोध्या अभिलेख
UKPSC UDA/LDA (Pre) 2006
UKPSC (Pre) 2014-15

Ans. (c) : भागवत धर्म से सम्बन्धित प्रथम प्रस्तर स्मारक विदिशा या बेसनगर का गरुण स्तम्भ है। इससे पता चलता है कि तक्षशिला के यवन राजदूत हेलियोडोरस ने भागवत धर्म ग्रहण किया तथा इस स्तम्भ की स्थापना करवाकर पूजा की थी। इस पर उत्कीर्ण लेख में हेलियोडोरस को भागवत तथा वासदेव को देवदेवस अर्थात् देवताओं का देवता कहा गया है।

105. निम्नलिखित कथन (A) और (B) को पढ़ें और नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें –
(A) विश्व के सभी भागों में ईस्वी पूर्व छठवीं शताब्दी एक महान धार्मिक उथल-पुथल का काल था।
(B) वैदिक धर्म बहुत जटिल हो चुका था।
कूट :
(a) दोनों (A) और (B) गलत हैं।
(b) दोनों (A) और (B) सही हैं।
(c) (A) सही हैं जबकि (B) गलत है।
(d) (A) गलत है जबकि (B) सही है।
UKPSC (Pre) 2014-15

Ans. (b) : विश्व के सभी भागों में ईस्वी पूर्व छठीं शताब्दी में धार्मिक उथल-पुथल हुए थे। विश्व के अनेक भागों में इस परिवर्तन के अलग-अलग कारण थे। उस समय वैदिक धर्म भी बहुत जटिल हो चुका था और सुधार के प्रयास प्रारम्भ हो गये थे। तत्कालीन वैदिक धर्म की जटिलताओं व कर्मकांडों के कारण ही जैन तथा बौद्ध धर्म का उदय भी हुआ।

106. निम्नलिखित में किस स्थान पर प्रथम 'जैन-परिषद' का आयोजन हुआ था?
(a) पाटलिपुत्र (b) वैशाली
(c) मथुरा (d) उज्जैन
UKPSC (Pre) 2021

Ans. (a) : प्रथम जैन परिषद अथवा जैन संगीति या जैन महासभा का आयोजन पाटलिपुत्र में 300 ईसा पूर्व में आयोजित किया गया था। इसकी अध्यक्षता स्थूलभद्र ने की थी।
द्वितीय जैन परिषद का आयोजन छठीं शताब्दी में वल्लभी (गुजरात) में हुआ था इसकी अध्यक्षता क्षमाश्रवण ने की थी।
जैन धर्म के संस्थापक एवं प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव थे। महावीर स्वामी जैन धर्म के 24वें व अन्तिम तीर्थंकर थे।

107. किस राज्य में बौद्ध स्थल 'ताबो मठ' (Tabo Monastery) अवस्थित है?
(a) अरुणाचल प्रदेश (b) हिमाचल प्रदेश
(c) सिक्किम (d) उत्तराखण्ड
UKPSC (Pre) 2009-10

Ans. (b) : ताबो भारत के हिमाचल प्रदेश में स्पीति नदी के तट पर लाहौल और स्पीति जिले का छोटा सा शहर है यही पर बौद्धों का एक मठ अवस्थित है जिसे ताबो मठ कहा जाता है।

108. प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान अश्वघोष किसके समकालीन (Contemporary) था?
(a) अशोक (b) नागार्जुन
(c) कनिष्क (d) हर्ष
UKPSC (Pre) 2009-10

Ans. (c) : प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान अश्वघोष कुषाणवंशी शासक कनिष्क का समकालीन था। जिसके संरक्षण में कनिष्क के समय में कश्मीर के कुण्डलवन (कुंअर) में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन किया गया। वसुमित्र को सभा के अध्यक्ष और अश्वघोष को उपाध्यक्ष बनाया गया। घोष ने बुद्धचरित, सौन्दरानन्द जैसे कृतियों की रचना की।

109. स्याद्वाद सिद्धान्त है-
(a) लोकायत धर्म का (b) शैव धर्म का
(c) जैन धर्म का (d) वैष्णव धर्म का
UKPSC (Pre) 2004-05

Ans. (c) : स्याद्वाद जैन धर्म का सर्वाधिक विलक्षण सिद्धान्त है। स्याद्वाद ज्ञान की सापेक्षता का सिद्धान्त है। कोई ज्ञान न पूर्णसत्य है और न पूर्ण असत्य। प्रत्येक ज्ञान में सत्यता होती है, किन्तु वह सत्यता किसी विशेष दृष्टिकोण से होती है।

110. प्रथम शताब्दी ईस्वी में किस भारतीय बौद्ध भिक्षुक को चीन भेजा गया था-
(a) असंग (b) अश्वघोष
(c) वसुमित्र (d) नागार्जुन
UKPSC (Pre) 2004-05